सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 312 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 26 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

संग्रहालय में उपेक्षित पड़ी थी दूसरी सदी की सरस्वती प्रतिमा

नीमच। करीब 1800 साल पहले 'मालव' समुदाय के एक प्राचीन शिल्पकार ने मां सरस्वती को एक विशिष्ट, धनुषाकार और हरप जैसी दिखने वाली वीणा सौंपी थी। आज वही छोटी सी ब्लैक सैंडस्टोन की मूर्ति प्राचीन भारतीय संगीत और सांस्कृतिक इतिहास का एक जीवंत दस्तावेज बन चुकी है। यह दुर्लभ कलाकृति मध्य प्रदेश के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ रही है।जब पुरातत्व आयुक्त मदन कुमार ने संग्रहालय का दौरा किया और क्यूरेटर योगेश पाल ने इस पर उनका ध्यान आकर्षित किया, तब इस मूर्ति का वास्तविकऐतिहासिक महत्व उजागर हुआ। इसके बाद पुरातत्व विभाग ने मध्य प्रदेश के संग्रहालयों में मौजूद सरस्वती की मूर्तियों का एक व्यापक और गहन आइकॉनोग्राफिक सर्वे किया।

मध्यप्रदेश में मंदिरों में चोरी अब टॉप प्रायरिटी

भोपाल। अयोध्या के राम मंदिर में दानपेटी चोरी के विवाद के बाद अब मध्य प्रदेश सरकार ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर एक बेहद सख्त और बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर होने वाली चोरियों को पुलिस की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रख दिया है। इसके तहत प्रदेश के सभी 55 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे मामलों को अत्यंत संवेदनशील श्रेणी में रखें और बिना किसी देरी के त्वरित जांच सुनिश्चित करें।

80 हजार ई-रिक्शा के साथ हांफ रहा लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक ओर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर सरकार और विभागीय स्तर पर अनेकों प्रयास किए जा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर शहर में तेजी से बढ़ रही ई-रिक्शों की संख्या से ट्रैफिक व्यवस्था चरमराती नजर आ रही है। यहां लगभग 80 हजार ई-रिक्शे हैं। इस समस्या को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस गंभीर समस्या से आंखें न मूंदने की सख्त हिदायत देते हुए ई-रिक्शों की बिक्री और संचालन को नियंत्रित करने प्रभावी नीति बनाने का निर्देश दिया है।

100 प्रतिशत डिजिटल सुविधा शुरू करने वाला छत्तीसगढ़ का पहला टोल प्लाजा बना केसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा को अधिक सुगम, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। बिलासपुर-रायगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर स्थित केसला टोल प्लाजा प्रदेश का पहला पूरी तरह डिजिटल टोल प्लाजा बन गया है, जहां टोल भुगतान की डिजिटल व्यवस्था के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों के लिए लोकल मासिक पास की सुविधा भी पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध करा दी गई है। एनएचएआई द्वारा देशभर के चयनित टोल प्लाजा पर शुरू की गई फास्टैग डिजिटल लोकल पास सुविधा के तहत छत्तीसगढ़ में केसला टोल प्लाजा को इस नई व्यवस्था से जोड़ा गया है।

स्थानीय लोगों को मासिक पास बनवाने के लिए टोल प्लाजा पर व्यक्तिगत रूप से जाने अथवा भौतिक दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। पात्र नागरिक अपने मोबाइल फोन के माध्यम से 'राजमार्ग यात्रा' एप या एनएचएआई के आधिकारिक वेब पोर्टल के जरिए घर बैठे डिजिटल लोकल पास के लिए आवेदन कर सकेंगे।

20 किलोमीटर के दायरे में रहने वालों को सुविधा

डिजिटल लोकल पास योजना के तहत संबंधित टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में निवास करने वाले पात्र स्थानीय नागरिक ऑनलाइन माध्यम से मासिक लोकल पास के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पात्र उपयोगकर्ताओं को संबंधित टोल प्लाजा से मासिक आधार पर यात्राओं की सुविधा मिलेगी।मासिक लोकल पास का शुल्क 350 रुपए निर्धारित किया गया है। डिजिटल लोकल पास व्यवस्था को डिजीलॉकर, वाहन संबंधी सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म और लिंक किए गए फास्टैग जैसी प्रणालियों के साथ सहमति-आधारित डिजिटल एकीकरण से जोड़ा गया है।

छत्तीसगढ़ में होगी देश की पहली राज्य स्तरीय हॉकी लीग, राज्य के खिलाड़ियों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

डिप्टी सीएम अरुण साव ने लोगो, टैगलाइन और शुभंकर का किया अनावरण, 6 टीमें लेंगी हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा हॉकी इंडिया से मान्यता प्राप्त छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन का आयोजन किया जा रहा है। राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में होने वाली यह लीग देश के किसी भी राज्य में आयोजित होने वाली पहली राज्य-स्तरीय हॉकी लीग होगी, जिसे हॉकी इंडिया लीग की तर्ज पर पूरी तरह प्रोफेशनल और व्यावसायिक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने मंगलवार को राजधानी रायपुर के नवीन विश्राम भवन में लीग के लोगो, टैगलाइन और शुभंकर का अनावरण किया।

उन्होंने लॉन्चिंग कार्यक्रम में लीग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक लीग के मुकाबले खेले जाएंगे। इस मौके पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक आकांक्षा शिक्षा खलखो, संयुक्त संचालक प्रभाकर पाण्डेय और छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष फ्रिोज अंसारी सहित अनेक विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ के मानचित्र पर आधारित है लोगो

लीग का लोगो छत्तीसगढ़ के मानचित्र पर आधारित है। इसमें केसरिया और हरे रंग के माध्यम से भारतीयता की भावना को दर्शाया गया है, जबकि आगे बढ़ती नारंगी रेखा प्रदेशवासियों की निरंतर प्रगति और आगे बढ़ने की भावना का प्रतीक है। लीग की टैगलाइन चलव रे संगी, हॉकी खेलबो रखी गई है। लीग का आधिकारिक शुभंकर बघवा नामक बाघ है। यह छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और समृद्ध वन्यजीव विरासत का प्रतीक है।

लीग से मिलेगा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हॉकी की समृद्ध परंपरा रही है और राज्य में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देगी और प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुभव तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लीग के पहले सीजन में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें मैदान में उतरेंगी। इनमें राजधानी रॉयल्स, चित्रकूट चैलेंजर्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स शामिल हैं। प्रतियोगिता में सभी छह टीमें लीग मुकाबले खेलेंगी। इन मुकाबलों के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल के बाद विजेता टीम का फैसला फाइनल मुकाबले में होगा। मैचों के दौरान सभी अंपायर और तकनीकी अधिकारी हॉकी इंडिया द्वारा नियुक्त किए जाएंगे, जिससे प्रतियोगिता में तकनीकी गुणवत्ता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों की बढ़ी मुश्किलें, अब लोकसभा सचिवालय ने भेजा नोटिस

नईदिल्ली ए.। लोकसभा सचिवालय ने झरखंड के 20 बागी सांसदों को अभिषेक बनर्जी की ओर से दायर अयोग्यता याचिकाओं पर नोटिस भेजकर सात दिनों में जवाब मांगा है। इन सांसदों पर आरोप है कि वे टीएमसी से अलग होकर NCP। के साथ चले गए हैं। टीएमसी इसे स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ना बताते हुए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता का आधार मान रही है, जबकि बागी सांसद अपने कदम को वैध विलय बता रहे हैं। मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है, जहां अदालत ने कहा है कि अहम सवाल नोटिस जारी करना नहीं, बल्कि कार्यवाही को तय समयसीमा में पूरा करना है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था मामला

यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताने के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें दलबदल के आधार पर अयोग्यता की याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। बनर्जी ने अयोग्यता की कार्यवाही पर कथित देरी को चुनौती देते हुए अदालत से मामले में तेजी लाने की मांग की थी।

भिलाई निगम के वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा का निधन

■ 27 अगस्त को राम नगर मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार

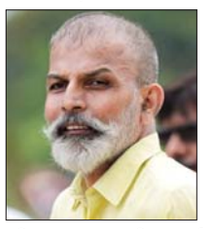

भिलाई। नगर निगम भिलाई की राजनीति के सशक्त स्तंभ और लोकप्रिय वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा का 56 वर्ष की आयु में 26 अगस्त को निधन हो गया। वे पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। दिवंगत मिश्रा का अंतिम संस्कार 27 अगस्त को राम नगर स्थित मुक्तिधाम में संपन्न होगा।

सेक्टर-2, सड़क-6 के निवासी वशिष्ठ नारायण मिश्रा का भिलाई की स्थानीय राजनीति में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड रहा है। नगर निगम भिलाई के गठन के पश्चात हुए सभी पांचों चुनावों में उन्होंने किसी राजनीतिक दल के बजाय निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरकर जीत हासिल की। वर्ष 2016 के नगर निगम चुनाव में उन्होंने महापौर पद पर भी निर्दलीय चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक क्षमता प्रदर्शित की थी।

दुर्ग से रायगढ़ के बीच कल से चलेगी राखी स्पेशल ट्रेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यानी बिलासपुर रेलवे ने रक्षाबंधन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 27, 28 और 29 अगस्त को दोनों दिशाओं में 3-3 फेरे लगाएगी। सभी मध्यवर्ती स्टेशनों पर ट्रेन का ठहराव रहेगा।

गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग-रायगढ़ रक्षाबंधन स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त को दुर्ग से रायगढ़ के लिए चलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 08833 रायगढ़-दुर्ग रक्षाबंधन स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त को रायगढ़ से दुर्ग के लिए चलेगी। गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग से सुबह 10.30 बजे रवाना होगी और शाम 7.00 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 08833 रायगढ़ से शाम 7.40 बजे रवाना होकर दूसरे दिन तड़के 2.00 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

पाकिस्तान में बड़ा हादसा: इस्लामाबाद के शीर्ष अस्पताल पीआईएमएस में लगी आग, 15 नवजातों की मौत

इस्लामाबाद ए.। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बुधवार को एक सरकारी अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में आग लगी। इसके कारण 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई। यह जानकारी 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार है। यह घटना राजधानी के सबसे बड़े और अच्छी सुविधाओं वाले सरकारी अस्पताल, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई।

जियो न्यूज ने बताया कि आग लगने की घटना में 15 बच्चों की मौत हो गई। हालांकि, हताहतों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पीआईएमएस की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने 'डॉन' अखबार को बताया कि जिस वार्ड में आग लगी, वहां 15 बच्चे थे। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि रात में कुछ बच्चों को छुट्टी दे दी गई हो, इसलिए अभी हताहतों की सही संख्या नहीं बताई जा सकती।

घटना के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी मालूम होती है। उन्होंने बताया कि आग सुबह करीब 7 बजे लगी थी। उन्होंने कहा कि आग बुझा दी गई है, लेकिन कूलिंग प्रोसेस में कुछ समय लगेगा। वहीं, रेस्क्यू अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल की नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर का कंप्रेसर फटने के बाद की वजह से आग लगी। इसके बाद आग तेजी से फैल गई और वार्ड में धुआं भर गया।

अखिलेश यादव के खिलाफ लगे आपत्तिजनक पोस्टर

बागपत। बागपत में सियासी बयानबाजी के बीच पोस्टर वार सामने आया है। दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे के पास सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द लिखे पोस्टर और बैनर लगाए जाने की जानकारी मिलते ही सपा नेताओं में आक्रोश फैल गया। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बिल्लू प्रधान समेत अन्य नेताओं ने मौके पर पहुंचकर बैनर फाड़ दिए। मामले को लेकर पुलिस में शिकायत करने की तैयारी है। हाईवे के पास अखिलेश यादव के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द लिखे पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। जानकारी मिलने के बाद सपा नेताओं ने मौके पर पहुंचकर विरोध जताया।

छत्तीसगढ़ के राजेश दवे बने महिला टी 20 एशिया कप के लिए भारतीय महिला टीम के मैनेजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव तथा रणजी खिलाडी राजेश दवे को आगामी महिला टी 20 एशिया कप 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है।

महिला टी 20 एशिया कप 2026 दिनांक 28 अगस्त 2026 से 13 सितंबर 2026 तक दुबई अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, संयुक्त अरब अमिरात में आयोजित किया जायेगा। प्रतियोगिता में भारतीय टीम ग्रुप ए में पाकिस्तान,

हांग कांग तथा थाईलैंड के विरुद्ध 30 अगस्त से अपना अभियान प्रारंभ करेगी।

इसके पूर्व भी 2019 में श्री दवे ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मैनेजर के रुप में आस्ट्रेलीया में सेवाएं दी हैं। राजेश दवे का क्रिकेट प्रशासन और टीम प्रबंधन में लंबा अनुभव भारतीय महिला टीम के लिए एक महत्वपूर्ण सहयोग साबित होगा। उनकी नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कौशल से टीम को टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलेगी।श्री दवे की नियुक्ति से टीम को सुदृढ़ मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त होगी। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारीयों ने श्री दवे को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए शुभकामनायें दी है तथा विश्वास व्यक्त किया है कि राजेश दवे के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करेगी और देश का गौरव बढ़ाएगी।

महिला टी 20 एशिया कप 2026 में भारतीय टीम का कार्यक्रम

- दिनांक 30 अगस्त 2026 - भारत विरुद्ध थाईलैंड
- दिनांक 03सितंबर 2026 - भारत विरुद्ध हांक कांग
- दिनांक 05 सितंबर 2026 - भारत विरुद्ध पाकिस्तान
- 10 एवं 11 सितंबर को प्रतियोगिता के सेमी फाइनल
- 13 सितंबर 2026 को फाइनल मैच खेला जाएगा।

सभी प्लेटफॉर्म से हटा कृति सेनन का विज्ञापन

मुंबई ए.। कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन पर हुए विवाद के बाद मेकर्स ने इसे सभी प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। हाल ही में जारी किए गए इस विज्ञापन के चलते कृति सेनन को खूब ट्रोल किया गया था। बुधवार को ज्वैलरी ब्रांड ने कृति सेनन का वह रक्षाबंधन विशेष विज्ञापन सभी जगह से वापस लेते हुए एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया 'हम भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का बहुत सम्मान करते हैं। एक ब्रांड के तौर पर हम हमेशा पूरे परिवार के साथ खुशियां भरे पल मनाने में यकीन रखते हैं और इस बार हम अपने पालतू जानवरों को भी इस प्यार और जश्न में शामिल करना चाहते थे। अगर हमारे विज्ञापन से समाज के किसी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं, तो हमारा बिल्कुल भी ऐसा मकसद नहीं था।

संपादकीय

ज़हर बांटते उद्योग

बद्दी से पंजाब तक सतलुज में प्रदूषण

कुछ उद्यमी मुनाफे की अंधी हवस में इतने स्वार्थी हो जाते हैं कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को साफ किए बिना ही जलधाराओं में बहा देते हैं। जबकि उनकी नैतिक व कानूनी जिम्मेदारी बनती है कि उनकी फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ पर्यावरण व नदी-नालों को प्रदूषित न करें। हिमाचल प्रदेश स्थित बद्दी-नालागढ़ इलाके में कई औद्योगिक इकाइयां नदियों में ज़हरीले रसायन लगातार बहाती रही हैं। यह प्रदूषणकारक कचरा सिरसा नदी में बहा दिया जाता है, जो कालांतर सतलुज नदी में चला जाता है। यही वजह है कि आज सतलुज का प्रदूषित पानी जो चेतावनी दे रहा है उसे पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारें भी नजरअंदाज नहीं कर सकती हैं। इसी आने वाले संकट के मद्देनजर ही बद्दी-नालागढ़ इलाके की अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जो मामले की गंभीरता को ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह संकट कोई नई समस्या नहीं हैं। जो हमारे पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियम व कानूनों को लागू करने में तंत्र की बार-बार होने वाली विफलता को ही दर्शाता है। बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र से होने वाले औद्योगिक प्रदूषण के प्रामाणिक रिकॉर्ड कई सालों से मौजूद हैं। दरअसल, यह जहरीला कचरा इस औद्योगिक क्षेत्र से गुजरने वाली सिरसा नदी में डाल दिया जाता है। सिरसा नदी इन प्रदूषक तत्वों को आगे की ओर बहा ले जाती है। कालांतर यह सतलुज नदी में जाकर मिल जाता है। इस बाबत कई बार जांच भी की गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की कार्यवाही में बिना ट्रीट किए गए रसायनयुक्त कचरे व ठीक से ट्रीट न किए गए कचरे के बारे में उल्लेख किया गया है। ट्रिब्यूनल ने नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों तथा ट्रीटमेंट सिस्टम की खामियों की ओर इशारा किया है। दरअसल, फार्मास्युटिकल प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि पारंपरिक ढंग से ट्रीटमेंट करने वाले सिस्टम से सक्रिय फार्मास्युटिकल तत्व और एंटीबॉयोटिक के अवशेष पूरी तरह से नहीं हट पाते हैं।

> “ नीति आयोग के हालिया आंकड़े इस सच को अनावृत करते हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक दशक में पूरे देश में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। साथ ही इसी अवधि में सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूल भी 83 हजार से घटकर 79 हजार रह गये हैं।

दरअसल, हाल के प्रकरण से एक और परेशान करने वाली विरोधीभासी बात सामने आई है। इस बाबत सूचना मिली थी कि रोपड़ हेडवर्क्स पर भारी मात्रा में जमा कचरे को नदी के बहाव की दिशा में बेफिक्री से छोड़ दिया गया। निस्संदेह, यदि यह कचरा नुकसानदायक था, तो इसे नदी में छोड़ने से समस्या महज एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित ही हुई है। कायदे से हेडवर्क्स में जमा कचरे की वैज्ञानिक तौर-तरीकों से निगरानी की जानी चाहिए थी। सही मायने में प्रदूषणकारक कचरे को ठिकाने लगाने से पहले उसके सैंपल लेकर उसकी जांच-पड़ताल की जानी जरूरी थी। निश्चित रूप से यह संकट बड़ा है और तत्काल इसका समाधान किया जाना चाहिए था। वास्तव में इस मामले को हिमाचल बनाम पंजाब के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल नहीं बनने दिया जाना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि दोनों सरकारें मिलकर प्रदूषण फैलाने वाले कचरे का वास्तविक स्रोत तलाशें क्योंकि अभी तक कचरे के असली स्रोत का पता नहीं चल सका है। यही वजह है कि अभी अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ ही प्राथमिकी दर्ज की गई है। लेकिन यह एक हकीकत है कि अज्ञात इकाइयों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज होना, दोषी होने का सबूत नहीं हो सकता। जरूरत इस बात की है कि पंजाब और हिमाचल के प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी मिलकर साझी जांच करें। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को चाहिए कि वह इसकी स्वतंत्र रूप से निगरानी करे। आज आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना के बाद बद्दी-सिरसा-सतुलज की पूरी चेन की लगातार निगरानी की जाए। वहीं दूसरी ओर मॉनसून के दौरान अचानक निरीक्षण, अनधिकृत औद्योगिक इकाइयों की पहचान करना और वैज्ञानिक तरीके से

बीमार मानसिकता से मुक्ति की हो ईमानदार कोशिश

विश्वनाथ सचदेव

सही अर्थों में भारतीय कहलाने का अधिकारी वही है जो धर्म या जाति के आधार पर नहीं, देश के प्रति अपनी भावना के आधार पर अपनी निष्ठा को प्रमाणित करे। देश के प्रति अपनी निष्ठा का तकाज़ा है कि हम उस सोच को बदलें, उससे मुक्त हों, जो इंसानों के बीच फर्क करता है।

बरसों पुरानी बात है, शायद मध्य प्रदेश की है। परिगणित जाति की एक महिला सरपंच एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी से मिलने गयी थीं। काम हो जाने के बाद जब वह सरपंच कार्यालय से चली गयीं तो उस अधिकारी ने वह कुर्सी धुलवाकर 'पवित्र' करवायी थी जिस पर परिगणित जाति की महिला बैठी थी! यह समाचार तब कुछ अखबारों में छपा था। कुछ चर्चा भी हुई थी इसे लेकर। पर जल्द ही यह घटना लोग भूल गये। अपने ढंग की अकेली घटना नहीं थी यह। तथाकथित छोटी-जाति वालों के साथ ऐसा घटता रहता है। कभी घोड़े पर चढ़कर बारात ले जाने वाला कथित छोटा जाति वाला कथित उच्च जाति के गुस्से का शिकार बनता है तो कभी किसी स्कूल में छोटी जाति के बच्चों को पृथक बिठाने का समाचार मिलता है। पर हमारी सामाजिक स्मृति में ऐसी घटनाएं बहुत दिन तक नहीं रहतीं। भूल जाते हैं हम कि हमारे तथाकथित समतामूलक समाज में ऐसा भी कुछ घटा है या घट रहा है। नहीं भुलाया जाना चाहिए ऐसी बातों को। इन्हें याद रखना ज़रूरी है ताकि हमें यह अहसास होता रहे कि प्रगति के सारे दावों के बावजूद हमारी सोच कितनी पिछड़ी हुई है।

हाल ही में उत्तराखंड के हल्द्वानी में ऐसी ही एक शर्मनाक घटना घटी थी, जिसे याद रखा जाना ज़रूरी है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ घटी इस घटना का विवरण उन्होंने स्वयं राज्यसभा में दिया था। यह अच्छी बात है कि राज्यसभा में सत्तारूढ़ पक्ष के नेता ने इस प्रकरण की जांच करने का आश्वासन देकर खड़गे जी की पीड़ा पर कुछ मरहम लगाने का काम किया। पर यह पीड़ा सिर्फ खड़गे जी की नहीं है, सिर्फ उनकी ही पीड़ा होनी भी नहीं चाहिए। इस पीड़ा का अहसास उस हर भारतीय को होना चाहिए जो समता और न्याय के आदर्शों में विश्वास करता है, जो यह मानता है कि हमारा संविधान देश के हर नागरिक को समानता का अधिकार देता है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने हल्द्वानी में घटी इस शर्मनाक घटना का विवरण देते हुए बताया था कि यहां मैदान में उनका भाषण था, उस जगह और उस मंच को गंगाजल से धोकर शुद्ध किया गया था। शुद्धीकरण का आयोजन करने वाले कथित उच्च वर्ण वालों का कहना था कि जहां यह सभा हुई थी, वहां रामलीला का आयोजन होता है। इसलिए हवन करके जगह को शुद्ध किया गया!

इस अस्वीकार्य घटना की जांच कहां तक पहुंची है, पता नहीं। अक्सर ऐसी घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर भुला दिया जाता है। पर होना यह चाहिए कि फिर जब कुछ ऐसा घटे तो हम यह अनुभव करें कि स्वतंत्रता के अस्सी साल बाद भी हम सामाजिक ऊंच-नीच के अभिशाप को ढो रहे हैं। जिस संगठन पर हल्द्वानी की इस घटना का आरोप है उसके सदस्यों का कहना है कि खड़गे जी की सभा जिस मैदान में हुई थी, वहां रामलीला का आयोजन होता है, उस जगह का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए था। किसी भी सोचने-समझने वाले विवेकशील व्यक्ति को यह तर्क समझ नहीं आ सकता। कहा यह जा रहा है कि 'शुद्धीकरण' का यह तमाशा चुनावी राजनीति का हिस्सा है। हो सकता है यह आयोजन करने वालों ने चुनावी राजनीति के संदर्भ में यह सब किया हो, पर बात चुनावी राजनीति की ही नहीं है; मामला राजनीतिक टकराव से कहीं ज्यादा उस बीमार मानसिकता का है जो हमें जातियों, वर्गों, वर्णों में बांटती है। जातिगत पूर्वाग्रह कहीं बहुत गहरे तक व्याप्त हैं। हल्द्वानी का यह प्रकरण हमारी सोच पर कुंडली मारकर बैठे इन पूर्वाग्रहों को सामने लाता है। मनुष्यता का तकाज़ा है कि हम इससे उबरें।

राजनीतिक स्वतंत्रता हमने लगभग अस्सी साल पहले प्राप्त कर ली थी, पर अधूरी है यह स्वतंत्रता। आवश्यकता सामाजिक रूढ़ियों से उबरकर एक ऐसे समाज को स्वतंत्र बनाने की है जहां व्यक्ति की नाप-तौल उसकी धार्मिक पहचान और उसकी जाति के आधार पर नहीं हो। इस संदर्भ में हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी डॉक्टर बी.आर. अम्बेडकर का वह संबोधन याद रखने की आवश्यकता है जो उन्होंने संविधान-सभा की आखिरी बैठक में दिया था। अपने उस ऐतिहासिक भाषण में उन्होंने कहा था, '26 जनवरी, 1950 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बन जाएगा, पर उसकी स्वतंत्रता का क्या होगा? वह अपनी स्वतंत्रता फिर से खो तो नहीं देगा?' इसी भाषण में उन्होंने यह भी आगाह किया था कि उन्हें जाति और वर्ण जैसे देश के पुराने शत्रुओं की भी चिंता है। उन्होंने कहा था, 'हमें राजनीतिक जनतंत्र से ही संतुष्ट नहीं हो जाना, हमें इसे सामाजिक जनतंत्र भी बनाना होगा। बिना सामाजिक जनतंत्र के आधार के राजनीतिक जनतंत्र नहीं बन सकता। सामाजिक जनतंत्र का मतलब है एक ऐसी जीवन-पद्धति जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को जीवन के सिद्धांतों के रूप में स्वीकारती है। ये तीनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इन्हें एक-दूसरे से पृथक करने का मतलब जनतंत्र के उद्देश्य को ही समाप्त करना होगा... समानता नहीं होगी तो इसका मतलब बहुतों पर कुछ का आधिपत्य होगा और समानता बिना स्वतंत्रता के व्यक्ति की पहल की क्षमता को नष्ट कर देगी।'

स्पष्ट है, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आधार पर ही हम राजनीतिक स्वाधीनता को सही मायने में स्थापित कर सकते हैं। ऐसे में जब हल्द्वानी जैसी कोई घटना सामने आती है तो यह सवाल उठता ही है कि छोटी जाति और बड़ी जाति वाली मानसिकता से हम कब और कैसे मुक्त होंगे? बाबासाहेब अंबेडकर ने अपने 25 नवंबर, 1949 वाले संबोधन में कहा था कि स्वतंत्र भारत में हम विरोधाभासों में जिएंगे। राजनीतिक दृष्टि से हम सब समान होंगे, पर सामाजिक और आर्थिक जीवन में हम में असमानता होगी। इन विरोधाभासों में हम ज़्यादा नहीं जी सकते। हमें इनसे मुक्त होना ही होगा। इनसे मुक्त हुए बिना हम अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता को सुरक्षित नहीं रख सकते। स्पष्ट है, सामाजिक विषमता से हमें जल्दी से जल्दी मुक्ति पानी ही होगी। पर हल्द्वानी जैसी घटनाएं बताती हैं कि जानते-बूझते भी हम सामाजिक विषमता से मुक्त होने की कोई ईमानदार कोशिश नहीं कर रहे। आखिर क्यों?

इस क्यों का एक उत्तर तो यह है कि हमने जातिगत विषमता को अपनी राजनीति का हथियार बना लिया है। हल्द्वानी में कांग्रेस के अध्यक्ष को जिस अपमान का सामना करना पड़ा, उसमें जाति के आधार पर राजनीतिक नफे-नुकसान की गंध आ रही है। राज्यसभा में अपनी पीड़ा को उजागर करने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे की मनोदशा को समझना मुश्किल नहीं है। कहने को हम कह सकते हैं कि खड़गे भी ऊंची जाति-नीची जाति की राजनीति खेल रहे हैं, पर इससे इस स्थिति में कोई अंतर नहीं पड़ता कि जातियों की गोलबंदी ने एक भारतीय समाज की हमारी प्राथमिकता को कहीं पीछे धकेल दिया है। सवाल सामाजिक बराबरी की लड़ाई में जीतने का है। यह जीत ही यह सुनिश्चित कर सकती है कि हम एक ऐसे समाज की परिकल्पना को कब साकार कर सकते हैं जिसमें जाति या धर्म के आधार पर नहीं, भारतीयता के आधार पर यह तय होगा कि कौन सही अर्थों में भारतीय नागरिक कहलाने का अधिकारी है और कौन नहीं। सही अर्थों में भारतीय कहलाने का अधिकारी वही है जो धर्म या जाति के आधार पर नहीं, देश के प्रति अपनी भावना के आधार पर अपनी निष्ठा को प्रमाणित करे। देश के प्रति अपनी निष्ठा का तकाज़ा है कि हम उस सोच को बदलें, उससे मुक्त हों, जो इंसानों के बीच फर्क करता है।

यह काम कानून से नहीं हो सकता। कानून तो हैं हमारे देश में, आवश्यकता इन कानूनों को सम्मान देने की है, अपने आचरण को उनके अनुसार बनाने की है। जब तक जातियों के आधार पर वोट मांगे जाते रहेंगे, जब तक जातियां यह तय करती रहेंगी कि किसे वोट देना चाहिए, किसको नहीं, तब तक हम जातीयता के बंधनों से मुक्त नहीं हो सकते। उस दिन हल्द्वानी के रामलीला मैदान में शुद्धीकरण के नाम पर जो कुछ हुआ, वह कुल मिलाकर जातीय शर्म का उदाहरण है। अनुसूचित जाति की किसी महिला का सरपंच बनना ही पर्याप्त नहीं है, आवश्यकता अपने भीतर यह भाव जगाने की है कि वह महिला पहले इंसान है, फिर कुछ और। कब जागेगा यह भाव?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एजुकेशन महंगी होती जाएगी तो हम अपना भविष्य कैसे गढ़ेंगे?

डॉ. अरुणा शर्मा

गरीबी के ट्रैप पर तो काफी बहस होती है। लेकिन क्या हम एक नए एजुकेशन ट्रैप में भी प्रवेश नहीं कर रहे हैं? भारत की 65 प्रतिशत आबादी युवा है। ऐसे में शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता इस युवा आबादी को देश की ताकत में बदलना होनी चाहिए।

लेकिन क्या हमारी नीतियां, शिक्षा-व्यवस्था और रोजगार-सृजन की प्रणाली युवाओं की क्षमता को अधिकतम रूप से विकसित करने की दिशा में काम कर रही हैं? चुनौती यह है कि आने वाले दशक के लिए भारत के पास मौजूद वर्कफोर्स की क्षमता किफायती और अच्छी शिक्षा हासिल करने के अवसरों में हो रही गिरावट के कारण धीरे-धीरे क्षीण हो रही है।

गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बेहतर जीवन-स्तर का सपना शिक्षा और उपयुक्त कौशल हासिल करने से जुड़ा है। साइनबोर्ड और पोस्टर बनाने वाला पेंटर अब कंप्यूटर डिजाइनिंग की ओर बढ़ गया है और फ्लेक्स बनाने लगा है।

हमें लगातार बदलाव करते हुए शारीरिक श्रम से अधिक ऑटोमैटेड मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ना होगा। अपनी मजबूत शिक्षा-व्यवस्था के दम पर हमने दुनिया को बेहतरीन प्रतिभाएं दी हैं। लेकिन क्या हमने उस बढ़त को कायम रखा है? या फिर नए प्रयोग करने की होड़ में हमने अपनी मौजूदा संस्थागत ताकत को ही कमजोर कर दिया है?

हमारी पिछली पीढ़ी के लिए सस्ती और सुलभ सार्वजनिक शिक्षण-संस्थाएं उपलब्ध थीं, जबकि आज की युवा पीढ़ी को फीस और कोचिंग पर भारी रकम खर्च करनी पड़ती है और अंततः चयन तथा परीक्षा प्रक्रियाओं की व्यवस्था के बार-बार विफल होने के जाल में फंसना पड़ता है।

युवा ऐसी व्यवस्था के दुष्चक्र में फंस रहे हैं, जिसमें गुणवत्ता सुनिश्चित करने और शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए जिम्मेदार एजेंसियों की अक्षमता और जवाबदेही के अभाव के कारण उनके सामने पेशेवर विकल्प चुनने के अवसर भी घट रहे हैं। यही 'एजुकेशन ट्रैप' है- एक ऐसा दुष्चक्र, जिससे निकलना मुश्किल होता जाता है।

पुराने और प्रतिष्ठित व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रियाएं पात्रता तय करने वाली परीक्षाओं और प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं के संचालन में विफल होती रही हैं। इससे छात्रों को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर देने की इन व्यवस्थाओं की क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

भारत लंबे समय से अपनी अत्यधिक कुशल, शिक्षित और प्रशिक्षित वर्कफोर्स को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भेजने के लिए जाना जाता रहा है। इन लोगों ने अपनी मेहनत और क्षमता के बल पर अपने संस्थानों और देश का गौरव बढ़ाया है।

भारत में भी उन्होंने सरकारी, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में योगदान दिया और उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इनमें से अधिकांश ने सार्वजनिक शिक्षा-व्यवस्था के तहत स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ाई की थी। करदाताओं के धन की प्राथमिकताओं में से एक ऐसी शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी है, जो सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली और सस्ती हो। बढ़ती आबादी और बेहतरीन व्यावसायिक शिक्षा के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या हम आज भी सस्ती शिक्षा उपलब्ध करा पा रहे हैं?

2002 में 86वें संविधान संशोधन के जरिए अनुच्छेद 21-ए जोड़कर शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाया गया और इसके लिए 1 अप्रैल 2010 को कानून लागू हुआ। इसके साथ सार्वजनिक शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर बढ़ा और एनरोलमेंट्स का स्तर 98 प्रतिशत तक पहुंचा, जिससे लाखों बच्चे शिक्षा के दायरे में आए।

लेकिन 'लर्निंग डेफिसिट' यानी सीखने की कमी बनी रही। उसके बाद इस व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय हमारा फोकस निजी स्कूलों में बढ़ते दाखिलों की ओर मुड़ गया, जिससे शिक्षा दिन-ब-दिन महंगी होती चली गई। नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में 94,000 सरकारी स्कूल या तो बंद हुए या उनका विलय कर दिया गया, जिससे वंचित तबकों के लिए शिक्षा तक पहुंच का सवाल गंभीर हो गया है।

देश के दूर-दराज के इलाकों तक शिक्षा की पहुंच बढ़ाने के प्रयास पीछे छूटते जा रहे हैं। सरकारी स्कूलों में दाखिले में भी 6 प्रतिशत की गिरावट आई है और स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है। इस तरह शिक्षा- जो सामाजिक और आर्थिक खाई को पाटने का सबसे बड़ा माध्यम होनी चाहिए- वही इस खाई को और चौड़ा करती दिखाई दे रही है। सरकारी स्कूलों की संख्या 2014-15 में 11.07 लाख से घटकर 2024-25 में 10.13 लाख रह गई है। यह गिरावट देश में ऐसे लाखों 'मिसिंग स्टूडेंट्स' की स्थिति पैदा करती है, जो एक वंचित आबादी के रूप में चुनौती बने रहेंगे।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

यूपीआईः भारत के पेमेंट सिस्टम में बदलाव

UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

पिछले दशक में भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में ज़बरदस्त बदलाव आया है। इसका मकसद एक ऐसा आसान और सुरक्षित पेमेंट सिस्टम बनाना है जो हर नागरिक के लिए उपलब्ध हो। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा बनाया गया यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस भारत की डिजिटल पेमेंट क्रांति का मुख्य आधार बन गया है। आज, UPI 11 देशों में स्वीकार किया जाता है; ग्रीस और मालदीव ने हाल ही में भारत के रियल-टाइम पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म को अपनाया है।

UPI और इसका विकास

आसानी से इस्तेमाल होने वाले और इंटरऑपरेबल डिज़ाइन के साथ, UPI ने लोगों, व्यवसायों और सरकारी संस्थाओं के लेन-देन के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम जो किसी भी भाग लेने वाले बैंक या पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर के एक ही मोबाइल ऐप के ज़रिए कई बैंक अकाउंट्स को चलाता है। एक ही प्लेटफॉर्म पर कई बैंकिंग सेवाओं, फंड ट्रांसफर और मर्चेंट पेमेंट को जोड़ता है। 24 घंटे डिजिटल पेमेंट की सुविधा देता है। लेन-देन की सुरक्षा बढ़ाने के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन का इस्तेमाल करता है। पिछले दशक में, UPI भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम की रीढ़ बन गया है। UPI के विकास में कुछ मुख्य पड़ाव इस प्रकार हैं:

UPI को अप्रैल 2016 में 21 सदस्य बैंकों के साथ पायलट आधार पर लॉन्च किया गया था।

अगस्त 2016 में, इसे आम जनता के लिए जारी किया गया क्योंकि भाग लेने वाले बैंकों ने अपने UPI-सक्षम मोबाइल ऐप Google Play Store पर उपलब्ध कराए।

UPI का इस्तेमाल करके डिजिटल पेमेंट करने के लिए दिसंबर 2016 में BHIM ऐप लॉन्च किया गया। यह यूज़र्स को मोबाइल डिवाइस के ज़रिए सीधे बैंक-टू-बैंक लेन-देन करने की सुविधा देता है।

डायनामिक क्यूआर लॉन्च किया गया, जो एक रिटेल मर्चेंट प्लेटफॉर्म है और डायनामिक क्यूआर कोड के ज़रिए UPI पेमेंट की सुविधा देता है। इसमें लेन-देन की जानकारी जैसे पाने वाले की जानकारी और कुल रकम अपने आप शामिल हो जाती है, जिससे मैन्युअल रूप से रकम डालने की ज़रूरत नहीं पड़ती।

डिजिटल पेमेंट को आसान, ज़्यादा सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए बेहतर सुविधाओं के साथ UPI 2.0 पेश किया गया। इनबॉक्स में इनवॉइस की सुविधा यूज़र्स को पेमेंट मंज़ूर करने से पहले बिल या इनवॉइस देखने की अनुमति देती है। साइंड इंटेंट और क्यूआर सुरक्षा बनाए रखते हुए पेमेंट मंज़ूरी को आसान बनाते हैं।

मैं डेट पहले से मंज़ूर निर्देशों के ज़रिए बार-बार होने वाले पेमेंट की सुविधा देते हैं। ओवरड्राफ्ट अकाउंट लिंकिंग से यूज़र्स अपने ओवरड्राफ्ट अकाउंट का इस्तेमाल करके UPI ट्रांज़ैक्शन कर सकते हैं।

SEBI ने रिटेल व्यक्तिगत निवेशकों को तय मध्यस्थों के ज़रिए IPO के लिए आवेदन करते समय पेमेंट के एक विकल्प के तौर पर UPI का इस्तेमाल करने की मंज़ूरी दी। अक्टूबर 2019 में UPI ने एक महीने में एक अरब ट्रांज़ैक्शन का आंकड़ा पार किया, जो देश भर में इसके तेज़ी से अपनाए जाने को दिखाता है। सब्सक्रिप्शन, यूटिलिटी बिल, इंश्योरेंस प्रीमियम, SIP और EMI के लिए बार-बार होने वाले पेमेंटको सपोर्ट करने के लिए UPI AutoPay लॉन्च किया गया। UPI PAY लॉन्च करके फ़ीचर फ़ोन यूज़र्स को डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में लाया गया। यह इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पॉन्स नंबर, ऐप-बेस्ड फक्शनैलिटी, मिस्ड कॉल-बेस्ड तरीका और प्रॉक्सिमिटी साउंड-बेस्ड पेमेंट के ज़रिए ट्रांज़ैक्शन की सुविधा देता है। कम कीमत वाले ट्रांज़ैक्शन को तेज़ी से और बिना UPI के करने के लिए UPI Lite पेश किया गया। UPI के साथ क्रेडिट कार्ड को जोड़ने से यूज़र्स के लिए डिजिटल पेमेंट के विकल्प और बढ़ गए। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, UPI ने ₹1 ट्रिलियन से ज़्यादा के ट्रांज़ैक्शन प्रोसेस किए और मार्च 2022 में हर महीने 5 अरब ट्रांज़ैक्शन का आंकड़ा पार किया। भूटान में लॉन्च

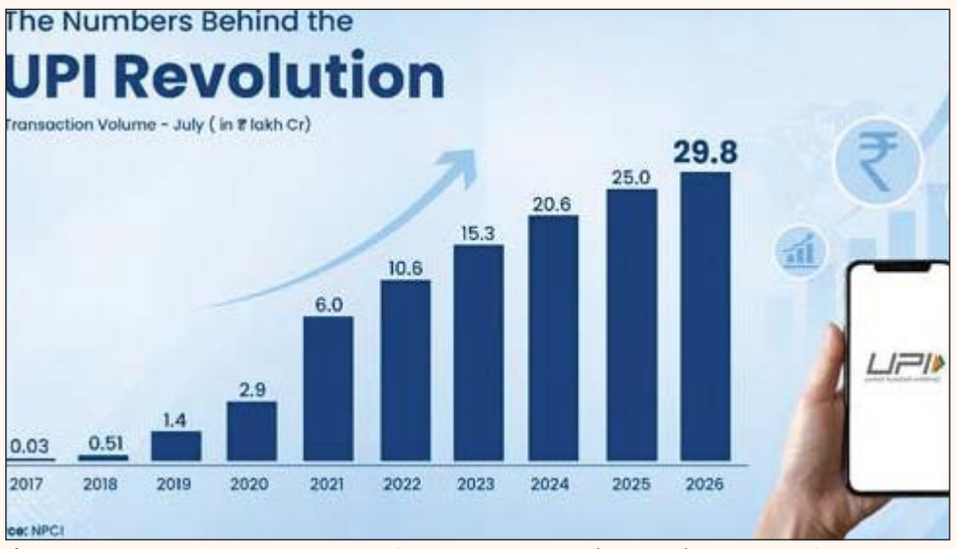

के साथ इसका अंतरराष्ट्रीय विस्तार भी हुआ, जो इसका पहला क्रॉस-बॉर्डर डिप्लॉयमेंट था।

UPI पर क्रेडिट लाइन पेश की गई, जिससे पहले से मंज़ूर बैंक क्रेडिट लाइन को फंडिंग अकाउंट के तौर पर जोड़ा जा सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत के डिजिटल पेमेंट ट्रांज़ैक्शन में UPI की हिस्सेदारी लगभग 70% थी। UPI सर्कल पेश किया गया, जिससे प्राइमरी यूज़र, सेकेंडरी यूज़र को प्राइमरी यूज़र के बैंक अकाउंट पर पहले से तय ट्रांज़ैक्शन लिमिट के साथ ट्रांज़ैक्शन करने की मंज़ूरी दे सकते हैं। RBI ने टैक्स पेमेंट के लिए UPI ट्रांज़ैक्शन लिमिट को 1 लाख से बढ़ाकर ?5 लाख प्रति ट्रांज़ैक्शन कर दिया। ज़्यादा लिमिट कुछ खास कैटेगरी पर भी लागू होती हैं, जिनमें कैपिटल मार्केट, IPO सब्सक्रिप्शन, लोन कलेक्शन, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर और एजुकेशन शामिल हैं। UPI 123Pay के लिए प्रति ट्रांज़ैक्शन लिमिट को बढ़ाकर 10,000 कर दिया गया, जिससे इसके इस्तेमाल के दायरे का विस्तार हुआ। UPI Lite वॉलेट लिमिट को बढ़ाकर 5,000 कर दिया गया और प्रति ट्रांज़ैक्शन लिमिट को बढ़ाकर 1,000 कर दिया गया। UPI के लिए 'ऑन-डिवाइस ऑथेंटिकेशन' शुरू किया गया, जिससे स्मार्टफोन पर फिंगरप्रिंट या फेस अनलॉक के ज़रिए पेमेंट करना मुमकिन हो गया। आधार-बेस्ड फेस ऑथेंटिकेशन ने UPI UPIN सेट करने की प्रक्रिया को आसान बना दिया, खासकर पहली बार इस्तेमाल करने वालों, बुज़ुर्गों और उन लोगों के लिए जिनके पास आसानी से कार्ड उपलब्ध नहीं थे।

UPI आज

UPI के ट्रांज़ैक्शन वॉल्यूम और वैल्यू, दोनों में ज़बरदस्त बढ़ोतरी हुई है, जो दिखाता है कि लोग, बिज़नेस और फाइनेंशियल संस्थान इसे बड़े पैमाने पर अपना रहे हैं। FY 2016-17 से FY 2025-26 तक:

सालाना ट्रांज़ैक्शन वॉल्यूम 2 करोड़ ट्रांज़ैक्शन से बढ़कर 24,162 करोड़ से ज़्यादा हो गया। यह लगभग 12,000 गुना बढ़ोतरी है। सालाना ट्रांज़ैक्शन वैल्यू 0.07 लाख करोड़ से बढ़कर लगभग 314 लाख करोड़ हो गई, जो 4,000 गुना से ज़्यादा बढ़ोतरी दिखाती है। UPI ने भारत में डिजिटल पेमेंट के दायरे और पहुँच को बदल दिया है। जुलाई 2026 में: UPI इकोसिस्टम में 741 लाइव बैंक शामिल हैं, जो भारत के बैंकिंग सेक्टर में इसके बड़े पैमाने पर अपनाए जाने को दर्शाता है। UPI ने 2,365.8 करोड़ ट्रांज़ैक्शन प्रोसेस किए; और कुल ट्रांज़ैक्शन वैल्यू ?29.87 लाख करोड़ रही।

UPI की ग्लोबल मौजूदगी

UPI दुनिया भर में एक प्रमुख रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम के तौर पर उभरा है। 2024 तक, ग्लोबल रियल-टाइम पेमेंट ट्रांज़ैक्शन वॉल्यूम में बढ़ाकर 5 लाख प्रति ट्रांज़ैक्शन कर दिया। ज़्यादा लिमिट कुछ खास कैटेगरी पर भी लागू होती हैं, जिनमें कैपिटल मार्केट, IPO सब्सक्रिप्शन, लोन कलेक्शन, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर और एजुकेशन शामिल हैं। UPI 123Pay के लिए प्रति ट्रांज़ैक्शन लिमिट को बढ़ाकर 10,000 कर दिया गया, जिससे इसके इस्तेमाल के दायरे का विस्तार हुआ। UPI Lite वॉलेट लिमिट को बढ़ाकर 5,000 कर दिया गया और प्रति ट्रांज़ैक्शन लिमिट को बढ़ाकर 1,000 कर दिया गया। UPI के लिए 'ऑन-डिवाइस ऑथेंटिकेशन' शुरू किया गया, जिससे स्मार्टफोन पर फिंगरप्रिंट या फेस अनलॉक के ज़रिए पेमेंट करना मुमकिन हो गया। आधार-बेस्ड फेस ऑथेंटिकेशन ने UPI UPIN सेट करने की प्रक्रिया को आसान बना दिया, खासकर पहली बार इस्तेमाल करने वालों, बुज़ुर्गों और उन लोगों के लिए जिनके पास आसानी से कार्ड उपलब्ध नहीं थे।

डिजिटल बदलाव का एक दशक

UPI ने डिजिटल पेमेंट को आसान, सुरक्षित और इंटरऑपरेबल बनाकर भारत में लेन-देन के तरीके को बदल दिया है। तेज़ी से अपनाए जाने, लगातार नए बदलावों और दुनिया भर में बढ़ती मौजूदगी ने UPI को भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अहम हिस्सा बना दिया है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

परशुराम के नाम पर केनाल रोड, चौक होगा मां परमेश्वरी

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की सामान्य सभा की बैठक सभापति गिरवर बंटी साहू के अध्यक्षता में हुई। बैठक में महापौर नीरज पॉल, निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान केनाल रोड का नामकरण भगवान परशुराम एवं मां परमेश्वरी चौक किए जाने के प्रस्ताव पारित किए गए। गोकुल धाम में आगामी प्रक्रिया रोकने हेतु निर्णय लिया गया। प्रियदर्शिनी परिसर में 1000 सीटर ऑडिटोरियम निर्माण के साथ-साथ प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक एवं प्राकृतिक फुटबाल से जुड़े प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

आरोपी भीम सोनकर को कलेक्टर ने किया जिलाबदर

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने आरोपी भीम सोनकर के आपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण किए जाने तथा आम जनता में अमन-चौन, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(ख) के वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत जिलाबदर की कार्यवाही की है। आदेशानुसार भीम सोनकर को दुर्ग एवं उसके सीमावर्ती जिले रायपुर, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, बालोद एवं धमतरी जिलों की सीमाओं से बाहर चले जाने कहा गया है। एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी की बिना अनुमति के प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा।

आरक्षक कविता ठाकुर को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन

दुर्ग। महिला आरक्षक क्रमांक 464 कविता ठाकुर को आउट ऑफ टर्न प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। छत्तीसगढ़ पुलिस में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को क्रम से पूर्व पदोन्नति प्रदान करने की व्यवस्था है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा प्रधान आरक्षक कविता ठाकुर को पदोन्नति की फीती लगाई गई। एसएसपी ने कविता को शुभकामनाएं दी तथा पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

ट्विन सिटी के निवासियों में फिर से जागी सिटी बस की उम्मीदें, रायपुर में हुई समीक्षा बैठक

हर्षित अग्रवाल

भिलाई। ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच राहत की खबर है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत राज्य को मिलीं 240 बसों में से 50 बसें ट्विन सिटी और आसपास चलाई जाएंगी। गत दिवस रायपुर में इस सेवा को शुरू करने के लिए जरूरी अवसंरचना के विकास की समीक्षा की गई जिससे ट्विन सिटी के निवासियों में एक बार फिर से आशा का संचार हुआ है।

दुर्ग-भिलाई में 'प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना' के तहत 50 इलेक्ट्रिक सिटी बसों को मंजूरी मिली है और संचालन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इससे पहले साल 2015 में छत्तीसगढ़ में सिटी बस सेवा शुरू हुई थी। दुर्ग जिले में भी यह सेवा कुछ साल चली, लेकिन फिर बंद हो गई। देखरेख के अभाव में पुरानी बसें सुपेला बस स्टैंड पर खड़ी खड़ी कंडम हो गईं। और लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पाया।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की 'पीएम ई-बस सेवा योजना' के तहत छत्तीसगढ़ को कुल 240 ई-बसें मिली हैं। इसमें से दुर्ग-भिलाई के लिए 50 मीडियम इलेक्ट्रिक बसों का आवंटन हुआ। दुर्ग-भिलाई में बसों के रख-

रखाव और चार्जिंग के लिए आधुनिक बस डिपो व सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण कार्य को मंजूरी दी गई। भिलाई इस व्यवस्था के मामले में प्रदेश में आगे रहा है। डिपो और चार्जिंग व्यवस्था का काम पूरा होने के बाद, दुर्ग-भिलाई को राज्य में सबसे पहले ई-बसों की सौगात मिलने जा रही है और जल्द ही ये बसें सड़कों पर दौड़ेंगी।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने गत दिवस केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया के साथ नगरीय प्रशासन एवं सूडा के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के संचालक भानुप्रताप सिंह भदौरिया ने मंगलवार को निगम आयुक्त सुरुचि सिंह एवं केंद्रीय टीम की उपस्थिति में डी मार्ट के सामने निर्माणाधीन सिटी बस डिपो का निरीक्षण किया। इस दौरान सिटी बसों के संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए आवश्यक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया

बीएसपी में कार्यरत ठेका कर्मियों के मेधावी बच्चों को मिला शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रोत्साहन सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के शिक्षा विभाग द्वारा बीएसपी में कार्यरत ठेका कर्मियों के मेधावी बच्चों की शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रोत्साहन-प्रतिभा सम्मान समारोह 2024-25 का आयोजन 25 अगस्त 2026 को महात्मा गाँधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएँ एवं सीएसआर) एबी. श्रीनिवास; महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) संजय द्विवेदी; महाप्रबंधक (मानव संसाधन-औद्योगिक संबंध एवं ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ) राजीव कुमार तथा महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे उपस्थित थीं। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी, ओ.ए. के पदाधिकारी एवं सदस्य, यूनियन प्रतिनिधि, एससी/एसटी एसोसिएशन के पदाधिकारी, मीडियाकर्मी, पुरस्कार विजेता विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण देते हुए महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएँ एवं सीएसआर) एबी श्रीनिवास ने बताया कि योजना का उद्देश्य ठेका श्रमिकों के बच्चों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित करना तथा उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रेरित करना है, जिन्होंने विगत दो वर्षों में कम से कम तीन माह की सेवा अवधि पूर्ण की है। योजना के अंतर्गत कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष पुरस्कार हेतु टाउनशिप क्षेत्र से 260 तथा माइंस क्षेत्र से 22 आवेदन प्राप्त हुए।

मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के योग्यता पुरस्कार विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त कर बेहतर प्रदर्शन करने तथा जीवन में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों के वर्तमान को बेहतर बनाते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुनहरे भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करती है और प्रेरित करती है।

सत्र 2024-25 में कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं में 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 5,000, 8,000 एवं 10,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। समारोह में कुल 180 चयनित विद्यार्थियों को 13,80,000 की पुरस्कार राशि वितरित की गई। इनमें टाउनशिप क्षेत्र के 55 विद्यार्थी कक्षा 8वीं से, 54 विद्यार्थी कक्षा 10वीं से तथा 55 विद्यार्थी कक्षा 12वीं से शामिल हैं। माइंस क्षेत्र के 16 विद्यार्थी भी इस सम्मान से लाभान्वित हुए।

इस अवसर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में से भावना यादव (कक्षा 12वीं), तन्मय राउत (कक्षा 12वीं) एवं विधि लोधी (कक्षा 10वीं) ने अपने अनुभव एवं विचार सदन के समक्ष साझा किए। विद्यार्थियों ने इस पहल के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत विकास के लिए प्रेरणादायी बताया।

समारोह के अंत में महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती शिखा दुबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षिका, एसएसएस सेक्टर-10 श्रीमती रश्मि मिश्रा एवं वरिष्ठ शिक्षिका, बी.एस.पी. इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल, सेक्टर-9 श्रीमती महुआ चटर्जी द्वारा किया गया।

पटरी पार रिसाली को विधायक ललित ने दी विकास की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। रिसाली के पटरी पार क्षेत्र वार्ड 13 टंकी मरोदा, वार्ड 14 मरोदा कैंप और वार्ड 15 मौहारी मरोदा क्षेत्र में एक करोड़ अंट्ठावन लाख तिरसठ हजार से विकास कार्य कराया जाएगा। मंगलवार को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर व रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने भूमिपूजन किया। वे सबसे पहले मौहारी मरोदा पहंचे।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि पटरी पार क्षेत्र मरोदा, नेवई में लगातार विकास कार्यो को सूचीबद्ध कर भूमिपूजन किया जा रहा है। वे अंतिम छोर पुरैना से भूमिपूजन करते आ रहे है। क्षेत्रीय पार्षद के प्रयास और नागरिकों के प्राथमिकता को देखते हुए विभिन्न विकास कार्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि बहुत सारे विकास कार्यों की मंजूरी प्रक्रियाधीन है। स्वीकृति पश्चात वें पुनः वार्डो में दौरा करेंगे। कार्यक्रम को महापौर शशि सिन्हा ने भी संबोधित किया। उन्होंने निगम क्षेत्र में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के लिए नागरिकों को बधाई दी। भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद ईश्वरी साहू, समेत बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

इन वार्डों में विकास कार्य

रिसाली निगम क्षेत्र के वार्डे क्र. 13 टंकी मरोदा में 60.28 लाख से नाली निर्माण, सड़क, सौंदर्यीकरण कराने का कार्य किया जाएगा। इसी तरह वार्ड 14 मरोदा कैंप 51.10 लाख से नाली, पुलिया निर्माण, सड़क संधारण, सामुदायिक भवन, वार्ड 15 मौहारी मरोदा में 39.25 लाख से विकास कार्य होंगे।

बोरसीभाठा वन महोत्सव का भव्य आयोजन, 12 हेक्टेयर में रोपे 3500 पौधे, लिया रक्षा का संकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। बोरसीभाठा में आयोजित 'वन महोत्सव 2026' के तहत 12 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में 3,500 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल तथा विधायक ललित चंद्राकर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस हरित अभियान को लेकर स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में जूनियर रेडक्रास, भारत स्काउट एवं गाइड, रोवर रेंजर्स के विद्यार्थियों, विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों तथा स्थानीय नागरिकों सहित लगभग 500 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भारत स्काउट एवं गाइड दुर्ग की ओर से पौधों की सुरक्षा हेतु रक्षासूत्र उपलब्ध कराए गए, जिन्हें स्कूली बच्चों,

अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नवरोपित पौधों पर बाँधकर उनके संरक्षण का अटूट संकल्प लिया गया। समारोह में मुख्य वन संरक्षक (दुर्ग वृत्त) एम. मर्सिबेला, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार क्षमा यदु तथा प्रभारी वनमंडलाधिकारी जितेन्दर कुमार सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा का भव्य अनावरण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ की जिला इकाई दुर्ग द्वारा देशप्रेम, सामाजिक समरसता और राष्ट्रनायकों के सम्मान की दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुए महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दुर्ग के परिसर में स्थापित की गई। महान क्रांतिकारी शिवराम राजगुरु की जयंती के अवसर पर सोमवार को आयोजित भव्य समारोह में प्रतिमा का अनावरण छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने किया। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल,

अहिवारा विधायक एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार, अरुण वोरा पूर्व विधायक दुर्ग, भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव, शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष झरना वर्मा, वार्ड पार्षद सरिता चंद्राकर सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने रिमोट कंट्रोल के माध्यम से क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा के अनावरण के साथ ही उपस्थित लोगों ने महान क्रांतिकारी को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की ओर से प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव ने स्कूल शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपकर महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की जीवनगाथा एवं उनके राष्ट्र तथा समाजसेवा संबंधी कार्यों को राज्य के स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग रखी।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए आयुष्मान एवं वय वंदन का शत प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, जनदर्शन एवं पीजीएन पोर्टल पर लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर श्री सिंह ने ई-एचआरएमएस के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। जिन विभागों में ई-एचआरएमएस की प्रक्रिया अभी पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें एनआईसी से संपर्क कर प्रक्रिया

की जानकारी प्राप्त करते हुए कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदना कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों के शत-प्रतिशत कार्ड बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 28 आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर स्थिति में हैं। कलेक्टर ने जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए संबंधित अधिकारियों को नरेगा एवं विकसित भारत जी-राम जी योजना के तहत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों के लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ट्रेजरी अधिकारी को विभागवार बिजली बिल मद में उपलब्ध बजट की सूची तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि लंबित देयकों के भुगतान की स्थिति स्पष्ट हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली बिल मद में उपलब्ध बजट से लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। बैठक में सहकारी समितियों के लिए भू-आबंटन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शीघ्र भू-आबंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राजस्व प्रकरणों में कार्य लंबित रखने वाले पटवारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, भू-अर्जन, स्वामित्व योजना, भारतमाला परियोजना, एग्रीस्टैक, भू-आबंटन, नजूल, नक्शा बटांकन सहित विभिन्न राजस्व कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने सभी तहसीलदारों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा। सीमांकन के समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों में राजस्व निरीक्षकों से लिखित प्रतिवेदन प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने अधिकार

अभिलेखों के वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। डिजिटल फसल सर्वेक्षण, एग्रीस्टैक पोर्टल तथा लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों की भी समीक्षा की।

कलेक्टर ने ऑटो डायवर्सन की न्यायालयवार स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न प्रकरणों में कार्य लंबित रखने वाले पटवारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जाति प्रमाण पत्र, ई-डिस्ट्रिक्ट लोक सेवा गारंटी, डिजिटल हस्ताक्षर, नजूल प्रकरण, नक्शा बंटांकन सहित लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने कहा।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

संसदीय संकुल विकास परियोजना मिनवाखाड़ पर आधारित पुस्तक का विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को निवास कार्यालय में संसदीय संकुल विकास परियोजना मिनवाखाड़ पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर कृषि एवं आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, विधायक प्रबोध मिंज उपस्थित थे।

मानपुर में 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का शुभारंभ, 128 लोगों ने कराया पंजीयन

मोहला। 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का शुभारंभ मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में किया गया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री मिथिलेश डोंडे, नेत्र रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल डॉ. पुष्प लता देवांगन, बीएमओ मानपुर डॉ. गिरीश खोबरागड़े, मेडिकल ऑफिसर टीकाकरण डॉ. देवेश ठाकुर तथा बीपीएम निशा नायक ने भारत माता के चलचित्र पर श्रीफल एवं पुष्प अर्पित कर अभियान का शुभारंभ किया। जिले में 25 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जाएगा। यह आयोजन कलेक्टर तनुजा सलाम के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोबरागड़े, जिला नोडल अधिकारी अंधत्व डॉ. आर.आर. धुर्वे और जिला कार्यक्रम प्रबंधक राकेश वर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। नेत्रदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से श्रमिक परिवारों के बच्चों के सपनों को मिली नई उड़ान

धमतरी। राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के कल्याण के साथ उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों के प्रतिभावान बच्चों के लिए शिक्षा के नए अवसरों के द्वार खोल रही है। योजना के माध्यम से श्रमिक परिवारों के बच्चों को प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। राजधानी रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्रमिक परिवारों के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ आत्मीयता से समय बिताया और उनके साथ भोजन भी किया। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निर्माण श्रमिकों के बच्चों को भी देश के बेहतरीन निजी विद्यालयों में पढ़ने का समान अधिकार है। सरकार उनकी शिक्षा का पूरा खर्च वहन कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर उपलब्ध करा रही है। विभागीय अधिकारी ने बताया कि सम्मान समारोह में धमतरी जिले के 07 नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में इन बच्चों को कक्षा छठवीं में प्रवेश मिला है।

भाइयों की कलाई सूनी न हो, हर वर्ग की महिलाएं बना रहीं राखियां

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। रक्षाबंधन के पर्व को लेकर बैकुण्ठपुर विकासखंड की स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं राखियां तैयार कर रही हैं। उनका उद्देश्य केवल भाइयों की कलाई को सजाना ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करते हुए 'वोकल फॉर लोकल' को भी बढ़ावा देना है। समूह की महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही राखियों को बाजार में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

बैकुण्ठपुर ब्लॉक के दो स्व-सहायता समूहों की 8 महिलाएं मिलकर इस वर्ष लगभग 5 हजार राखियां तैयार कर रही हैं। समूह द्वारा लगाए गए राखी स्टॉल से 24 अगस्त को एक ही दिन में करीब 5 हजार रुपए की राखियों की बिक्री हुई। बिक्री को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह है और उन्हें उम्मीद है कि रक्षाबंधन तक राखियों की मांग और बढ़ेगी।

बैकुण्ठपुर की स्व-सहायता समूह की महिलाएं पिछले 5-6 वर्षों से राखियां तैयार कर रही हैं। पिछले वर्ष भी समूह द्वारा राखियां बनाकर उनका विक्रय किया गया था। इस अनुभव से महिलाओं को न केवल राखी निर्माण की बेहतर समझ मिली, बल्कि उत्पाद को बाजार तक पहुंचाने और ग्राहकों की पसंद के अनुसार डिजाइन तैयार करने का अवसर भी मिला। राखी तैयार करने के लिए आवश्यक कच्चा मटेरियल स्थानीय बाजार के साथ-साथ अहमदाबाद से भी मंगाया जाता है। महिलाएं अपनी मेहनत और हुनर से इन्हीं सामग्रियों से आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। इससे स्थानीय स्तर पर महिलाओं को काम और आमदनी का अवसर मिल रहा है। समूह से जुड़ी रबाना परवीन इस वर्ष से राखी तैयार करने के काम से जुड़ी हैं। समूह की अन्य गुलनाज, रशिदा बेगम, श्रीमती चंदापुरी, सावित्री बाई यादव राखी निर्माण के हुनर को आगे बढ़ा रही हैं। महिलाओं का कहना है कि स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्हें अपनी प्रतिभा को रोजगार में बदलने का अवसर मिला है। इनमें से अधिकांश महिलाओं ने कहा रक्षाबंधन के एक सप्ताह पहले ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन योजना की राशि खाते में डाल दी, जिसके कारण खुशियां दोगुनी हो गई।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार राखियां स्थानीय बाजार में उपलब्ध होने से लोगों को स्थानीय उत्पाद खरीदने का विकल्प मिल रहा है। इससे महिलाओं की आत्मनिर्भरता, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को मजबूती मिल रही है।

ड्रोन के पंखों से आत्मनिर्भरता की उड़ान, 'विष्णु भैया' की योजनाओं से हेमलता बनीं ड्रोन दीदी

सालाना 1 से 2 लाख रुपये तक की आय अर्जित कर बनीं महिलाओं के लिए प्रेरणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संचालित योजनाएं अब ग्रामीण महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध करा रही हैं। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोड़ी निवासी श्रीमती हेमलता मनहर ऐसी ही प्रेरणादायी महिला हैं, जिन्होंने तकनीक को रोजगार का माध्यम बनाकर अपनी पहचान बनाई है। आज वे अपने क्षेत्र में सम्मान के साथ 'ड्रोन दीदी' के नाम से पहचानी जाती हैं।

श्रीमती हेमलता मनहर ने नमो ड्रोन दीदी योजना से जुड़कर आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाया। ड्रोन के माध्यम से वे किसानों के खेतों में नैनो उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कर रही हैं। इससे किसानों के समय और श्रम की बचत हो रही है, वहीं हेमलता के लिए यह सम्मानजनक स्वरोजगार और नियमित आय का जरिया बन गया है।

तकनीक के क्षेत्र में कदम रखकर हेमलता ने यह साबित किया है कि ग्रामीण महिलाएं भी आधुनिक तकनीक को आसानी से अपना सकती हैं और उसे अपनी आजीविका का मजबूत आधार बना सकती हैं। उनकी सफलता गांव की अन्य महिलाओं को भी नए अवसर तलाशने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही है। ड्रोन संचालन से कृषि कार्य करने पर श्रीमती हेमलता प्रतिवर्ष लगभग 1 से 2 लाख रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ बच्चों की शिक्षा में भी सहयोग कर रही हैं। उनके लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ समाज में मिली नई पहचान भी बड़ी उपलब्धि है।

हेमलता बताती हैं कि पहले उनकी दिनचर्या मुख्य रूप से घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित थी, लेकिन शासन की योजनाओं से मिले अवसर ने उन्हें अपनी क्षमता पहचानने और आगे बढ़ने का अवसर दिया। आज वे स्वयं रोजगार अर्जित करने के साथ किसानों की मदद कर रही हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

श्रीमती हेमलता महतारी वंदन योजना से भी लाभान्वित हो रही हैं। योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता उनके परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में सहायक है। नमो ड्रोन दीदी योजना से प्राप्त रोजगार और महतारी वंदन से मिले आर्थिक संबल ने उनकी आर्थिक स्थिति को और मजबूत किया है।

वे कहती हैं कि महिलाओं को केवल सहायता ही नहीं, बल्कि आगे बढ़ने के अवसर भी मिलना जरूरी है। जब महिलाओं को आर्थिक सहयोग के साथ कौशल और तकनीक से जोड़ा जाता है, तो वे अपने परिवार के साथ-साथ समाज और प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्रीमती हेमलता मनहर कहती हैं, हमारे विष्णु भैया बहनों के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। शासन की योजनाओं ने महिलाओं को आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर दिया है।

हेमलता की कहानी छत्तीसगढ़ की उन ग्रामीण महिलाओं की बदलती तस्वीर को सामने लाती है, जो अब केवल परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि तकनीक, स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं के सहारे आर्थिक रूप से मजबूत होकर विकास की नई इबारत लिख रही हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना से मिला ड्रोन उनके हाथों में केवल तकनीक नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता के पंख बन गया है।

आईसीएआर-एनआईबीएसएम द्वारा 'पोषण वाटिका' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (एनआईबीएसएम), रायपुर द्वारा किसानों के बीच घरेलू पोषण सुरक्षा, आहार विविधता और सुरक्षित खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पोषण वाटिका पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बरोंदा, मुर्रा, बेलटुकरी, देवगांव, कुर्रा और कथुरड गांवों के 62 किसानों ने हिस्सा लिया, जिनमें 10 महिला किसान भी शामिल थीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने किया। उन्होंने पोषण वाटिका के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि घर पर ताजी, पौष्टिक और रसायन मुक्त सब्जियों व फ्लों की उपलब्धता परिवार की सेहत के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिन परिवारों के पास पर्याप्त भूमि नहीं है, वे आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण वाटिका विकसित कर सकते हैं, जिससे समुदाय स्तर पर कुपोषण दूर करने में मदद मिलेगी।

संयुक्त निदेशक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पंकज शर्मा ने किसानों को स्थानीय जलवायु के अनुसार पोषण वाटिका प्रबंधन के व्यावहारिक सुझाव दिए । बारिश कम होने पर सही आकार के गड्ढे बनाकर, उनमें गोबर की सड़ी खाद मिलाकर फ्लदार पौधे लगाएं। जलभराव से बचाव के लिए उचित जल निकासी का प्रबंध करें और अधिक नमी वाले क्षेत्रों में सब्जियों के लिए ऊंची उठी हुई (रेज्ड) क्यारियां तैयार करें। अनावश्यक रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग से बचकर पारंपरिक और पर्यावरण-अनुकूल जैविक उपायों को अपनाएं।

कार्यक्रम के अंत में किसानों को पोषण वाटिका स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्नत किस्म के अमरूद और नींबू के पौधों के साथ-साथ 18 प्रकार की सब्जियों (पालक, धनिया, मेथी, भिंडी, लौकी, तोरी, मूली आदि) के बीज निशुल्क वितरित किए गए।

केंद्रीय जेल रायपुर में बंदियों के लिए लगा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय जेल रायपुर में मंगलवार को बंदियों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ केंद्रीय जेल रायपुर के अधीक्षक श्री योगेश सिंह क्षत्री ने किया। इसी के साथ रायपुर जिले में 41वें नेत्रदान पखवाड़े का भी शुभारंभ हुआ। देशभर में यह नेत्रदान पखवाड़ा 25 अगस्त से 8 सितंबर तक मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री ने कहा कि नेत्रदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से, उम्र, लिंग, रक्त समूह अथवा धर्म की परवाह किए बिना नेत्रदान का संकल्प ले सकता है। मृत्यु के बाद किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाने का यह एक पुनीत प्रयास है।

स्वास्थ्य विभाग के नेत्र चिकित्सक डॉ. मुकेश भगत ने नेत्रदान से जुड़ी सावधानियों और भ्रांतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेत्रदान से केवल कॉर्निया से संबंधित दृष्टिहीनता वाले व्यक्ति ही लाभान्वित हो सकते हैं। मृत्यु के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर कॉर्निया निकालना आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि नेत्रदान की प्रक्रिया में सामान्यतः 10 से 15 मिनट का समय लगता है और इससे

चेहरे पर किसी प्रकार का निशान या विकृति नहीं आती। नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए देशभर में आयोजित होने वाला यह पखवाड़ा लोगों को मृत्यु के बाद नेत्रदान के महत्व के प्रति जागरूक करने और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का महत्वपूर्ण अवसर है। राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत नेत्र बैंकिंग और कॉर्निया प्रत्यारोपण सेवाओं को भी सुदृढ़ किया जा रहा है।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से नेत्र चिकित्सक डॉ. मुकेश भगत, डॉ. टिकेश्वर, महिला खंड के लिए डॉ. स्वाति शर्मा, डॉ. आकांक्षा सहित नेत्र चिकित्सा सहायक अधिकारी संजय शर्मा, आर.पी. यादव, प्रकाश राठौर, ललित पाटकर, अशोक श्रीवास, प्रवीण शर्मा सहित चिकित्सकों एवं नेत्र चिकित्सा सहायकों की टीम उपस्थित रही। टीम ने बंदियों का नेत्र परीक्षण किया और उन्हें आंखों की देखभाल तथा दृष्टि संबंधी समस्याओं के प्रति आवश्यक परामर्श दिया।

कृषि शिक्षा में भी हैं करियर, नवाचार और उद्यमिता के असीमित अवसर

एसआर पाराशर

रायपुर। कृषि अब केवल पारंपरिक खेती तक सीमित क्षेत्र नहीं रह गई है, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमिता, टिकाऊ कृषि और बाजारोन्मुख अवसरों से जुड़ा व्यापक एवं रोजगारोन्मुख क्षेत्र बन चुकी है। ऐसे बदलते परिदृश्य में बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि विद्यार्थियों को सरकारी सेवाओं से लेकर अनुसंधान, कृषि व्यवसाय, एग्री-टेक, खाद्य प्रसंस्करण और उद्यमिता तक अनेक करियर विकल्प उपलब्ध कराती है।

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में संभावनाएं विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। राज्य की धान आधारित कृषि प्रणालियां, दलहन एवं तिलहन, उद्यानिकी, पशुपालन, वनोपज आधारित आजीविका, पारंपरिक एवं जनजातीय कृषि तथा कृषि-प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि शिक्षा और व्यावसायिक विकास के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। प्रशिक्षित कृषि स्नातक उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने, प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन तथा कृषि मूल्य श्रृंखला

के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। चार वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान, मृदाविज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, उद्यानिकी, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि प्रसार, कृषि मौसम विज्ञान, कृषि सूक्ष्म जीव विज्ञान और कृषि व्यवसाय प्रबंधन जैसे विविध विषयों का बहुविषयक ज्ञान प्रदान करता है। इससे विद्यार्थी उच्च शिक्षा, रोजगार, अनुसंधान और उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं।

कृषि स्नातकों के लिए सरकारी विभागों, कृषि प्रसार, ग्रामीण विकास, कृषि विपणन, बीज संगठनों तथा विभिन्न कृषि विकास कार्यक्रमों में अवसर उपलब्ध हैं। बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र में कृषि ऋण, ग्रामीण बैंकिंग, कृषि वित्त, फसल बीमा, विकास बैंकिंग और किसान उत्पादक संगठनों से जुड़े अवसर भी विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

निजी क्षेत्र में बीज, उर्वरक, फसल संरक्षण, जैव-इनपुट, कृषि यंत्र, खाद्य प्रसंस्करण, एग्री-टेक, कृषि विपणन और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। भविष्य की कृषि में ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस सटीक कृषि, डिजिटल कृषि, जलवायु-स्मार्ट कृषि, कृषि डेटा विश्लेषण, स्मार्ट सिंचाई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीकों की भूमिका बढ़ रही है। कृषि विशेषज्ञता के साथ डिजिटल एवं तकनीकी कौशल रखने वाले युवा इन उभरते क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं। बी.एससी. कृषि युवाओं को नौकरी तलाशने वाले से नौकरी देने वाले बनने का अवसर भी प्रदान करती है।

नर्सरी, बीज उत्पादन, मशरूम उत्पादन, संरक्षित खेती, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जैव उर्वरक एवं जैव कीटनाशी, कस्टम हायरिंग सेंटर, ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं, मृदा एवं जल परीक्षण, मधुमक्खी पालन, खाद्य प्रसंस्करण तथा डिजिटल कृषि परामर्श जैसे क्षेत्रों में युवा अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय में प्रायोगिक कक्षाओं, खेत प्रयोगों, शैक्षणिक भ्रमण, अनुभवात्मक अधिगम और कृषक समुदाय के साथ संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाता है।

नवा रायपुर को देश की अग्रणी ग्रीनफील्ड सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर : मंत्री ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-12 फेस-2 में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की 119.89 करोड़ रुपए की आवासीय परियोजना का भूमिपूजन किया। मंत्री चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में आवासीय सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि परियोजना के अंतर्गत **HIG** एवं **MIG** श्रेणी के कुल 348 भवनों का निर्माण किया जाएगा। आवासों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसी सेक्टर में आगामी चरण में 704 नए फ्लैट का निर्माण भी शीघ्र किया जाएगा।

मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास

मंडल को नई दिशा देने के लिए कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि एक समय कर्ज से जूझ रहे मंडल को लगभग 700 करोड़ रुपए का ऋण चुकाकर कर्जमुक्त किया गया। इसके बाद मंडल की कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए यह नीति निर्धारित की गई कि बिना मांग के किसी स्थान पर आवासीय परियोजना शुरू नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसी परियोजना में 60 प्रतिशत बुकिंग होने अथवा प्रथम तीन माह में 30 प्रतिशत बुकिंग होने के बाद ही टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इससे मांग आधारित और व्यावहारिक आवासीय परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा तथा बिना मांग के निर्मित होकर लंबे समय तक खाली रहने वाले भवनों की समस्या से भी निजात मिलेगी। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि एक प्रोफेशनल ऑर्गेनाइजेशन के रूप में अपनी पहचान मजबूत करनी है। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी स्ट्रक्चर के आधार पर कार्य करने के बजाय आवश्यकतानुसार उससे बेहतर गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए। भवनों में गुणवत्तापूर्ण टाइल्स, फिटिंग्स और आकर्षक एवं आधुनिक रंगों का उपयोग किया जाए, ताकि हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनियां सरकारी परियोजनाओं की पारंपरिक छवि से अलग दिखाई दें। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए यदि परियोजना की लागत में 5 से 10 प्रतिशत तक वृद्धि भी होती है, तो इसे उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। आने वाले समय में हाउसिंग बोर्ड की परियोजनाओं में गुणवत्ता का नया मानदंड स्थापित किया जाना चाहिए। आवास एवं पर्यावरण मंत्री चौधरी ने हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनियों में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को मजबूत करने और कॉलोनियों का समय पर हैंडओवर सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कॉलोनी के विकास एवं रखरखाव की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ रहवासियों की भी है। दोनों पक्षों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। उन्होंने सेक्टर-12 के रहवासियों से **RWA** का गठन कर कॉलोनी के रखरखाव में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। साथ ही नए हितग्राहियों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी में सहयोग करने और किसी भी कमी की जानकारी मंडल के अध्यक्ष, आयुक्त अथवा संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर देश की प्रमुख ग्रीनफील्ड सिटी के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि नवा रायपुर के लगभग एक-तिहाई हिस्से को रिक्रिएशनल क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है, जबकि 28 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में हरियाली है। उन्होंने नवा रायपुर में तेजी से विकसित हो रहे शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और अन्य क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां **NIFT, NFSU, NIELIT, IIM, HNLU** और **IIIT** जैसे प्रतिष्ठित संस्थान मौजूद हैं। इसके अलावा नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्री श्री रविशंकर जी का केंद्र, ब्रह्मकुमारी परिसर, एआई डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर यूनिट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी नवा रायपुर के विकास को नई गति दे रही हैं।

'टॉक्सिक' की शूटिंग के दौरान ही कियारा को मिली थी गुड न्यूज़

बताया कैसा था यश और गीतू मोहनदास का रिएक्शन

फिल्म 'टॉक्सिक' की शूटिंग के दौरान प्रेगनेंट रहीं कियारा आडवाणी ने टीम के साथ हुए अपने भावुक पल को याद किया। इसके साथ ही को-स्टार हुमा कुरैशी ने एक्ट्रेस को लेकर एक खास किस्सा सुनाया।

फिल्म 'टॉक्सिक' की शूटिंग के वक्त अभिनेत्री कियारा आडवाणी प्रेगनेंट थी। लिहाजा व्यक्तिगत तौर पर उनका इस फिल्म से गहरा है। फिल्म के प्री रिलीज इवेंट में कियारा ने उस वक्त को याद किया जब उन्होंने यह गुड न्यूज अपने परिवार के बाद अपनी टीम को सुनाई थी।

प्री रिलीज इवेंट में कियारा ने क्या कहा?

चेन्नई में हुए फिल्म 'टॉक्सिक' के प्री रिलीज इवेंट में कियारा इस खास वक्त को याद कर भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि किस तरह अपने मां बनने की खुशी को यश और गीतू मोहनदास के साथ साझा किया। कियारा ने कहा, मैंने अपने परिवार के बाद अपने जीवन की सबसे बड़ी खुशी यश और गीतू के साथ साझा की।

उस पल, आपने इस बारे में नहीं सोचा कि हम फिल्म कैसे पूरी करेंगे? फिल्म के शेड्यूल या लॉजिस्टिक्स की भी चिंता नहीं की। आप दोनों ने आंखों में आंसू लिए मुस्कुराते हुए मुझे बधाई दी। आप दोनों के कहा कि अब हम अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा समय बिताने वाले हैं।, आपने मुझे महसूस कराया कि मैं कुछ भी कर सकती हूं। मुझे एक अच्छी टीम देने के लिए आप दोनों का तहे दिल से धन्यवाद।

कियारा को लेकर हुमा ने कही बड़ी बात

इवेंट में अभिनेत्री कियारा आडवाणी को लेकर उनकी को-स्टार हुमा कुरैशी ने भी काफी कुछ कहा। उन्होंने फिल्म के प्री रिलीज इवेंट में उस दृश्य को याद किया जो कियारा ने फिल्म में भारी बारिश के बीच फिल्माया था।

हुमा ने कहा...

एक सीन था जिसमें हम हिस्सा ले रहे थे, उसमें बहुत बारिश दिखाई जानी थी। कियारा उस समय प्रेगनेंट थीं और हम भारी बारिश में भीग रहे थे। मुझे उस सीन के दौरान भयानक सिरदर्द हो रहा था। मैं जब-जब शिकायत करना चाहती थी, तब कियारा को देखती थी। जो प्रेगनेंट होने के बाद भी चट्टान की तरह अपना सीन शूट कर रही होतीं।

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। इसमें उनके साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां नजर आएंगी। फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म के जरिए यश चार साल बाद सिनेमाघरों में वापसी कर रहे हैं। यश की आखिरी रिलीज फिल्म 2022 में आई 'केजीएफ2' थी।

फिल्म वन से सिद्धार्थ मल्होत्रा की पहली झलक आई

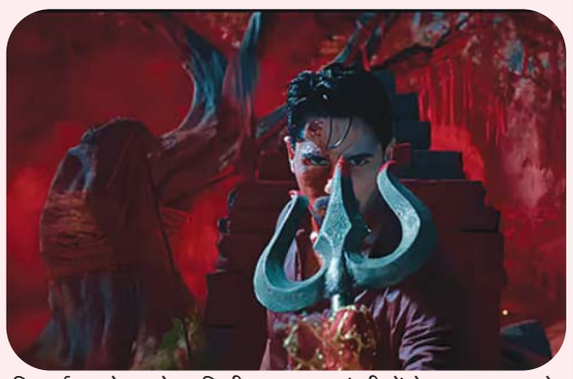

सिद्धार्थ मल्होत्रा को आखिरी बार परम सुंदरी में देखा गया था, जो पिछले साल अगस्त में आई थी। अब अभिनेता अपनी अगली फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट को लेकर चर्चा में हैं, जो भारत की पहली पौराणिक-फंतासी और हॉरर-थ्रिलर होगी।

इसका निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया गया है, जबकि निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा हैं। निर्माताओं ने फिल्म का मोशन-पोस्टर जारी करके सिद्धार्थ की पहली झलक दिखाई है। साथ में टीजर की रिलीज पर अपडेट दिया है।

वन के मोशन-पोस्टर में घने व रहस्यमयी जंगल के बीचो-बीच एक असुरी शक्ति दिखती है। उसके सामने हाथ में मशाल लिए सिद्धार्थ खड़े हैं, जो वर्जित स्थान में प्रवेश करते नजर आते हैं। हालांकि, पोस्टर में उनका चेहरा दिखाने की बजाय पीठ दिखाई गई है।

इसमें तमन्ना भाटिया, सुनील ग्रोवर, मनीष पॉल और श्वेता तिवारी जैसे सितारे भी शामिल हैं।

भारतीय लोककथाओं और अंधविश्वास पर आधारित फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी।

ओह माय डॉग को यूएई के सिनेमाघरों में दिखाएंगे निर्देशक अमित राय, आई रिलीज तारीख

निर्देशक अमित राय की फिल्म ओह माय डॉग भारत के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज होने जा रही है। पंकज त्रिपाठी अभिनीत यह एक भावनात्मक पारिवारिक-ड्रामा है, जिसने 7 अगस्त को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होकर कुल 5.03 करोड़ रुपये कमाए थे। इसका बड़ा कारण टॉम हॉलैंड की फिल्म स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे का दबदबा और सीमित स्क्रीन्स मिलना था। अब यह फिल्म यूएई और मिडिल ईस्ट के सिनेमाघरों में रिलीज दस्तक देने के लिए तैयार है।

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श की पोस्ट के मुताबिक, ओह माय डॉग 4 सितंबर, 2026 को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और मिडिल ईस्ट के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निर्माताओं के इस कदम से फिल्म को मध्य पूर्व के दर्शकों से जुड़ने का मौका मिलेगा।

बाबूलाल बिस्कोप और थिंकिंग हैट्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित, ओह माय डॉग एक बच्चे और कुत्तों के बीच के बेहद खूबसूरत रिश्ते पर आधारित है।

जीवनशैली में ये 5 छोटे-छोटे बदलाव करके आप हर महीने बचा सकते हैं पैसे, जानें

हर महीने की कमाई से कुछ पैसे बचाना हर किसी की ख्वाहिश होती है। इसके लिए लोग कई तरह के तरीके भी अपनाते हैं, लेकिन कई बार ये तरीके काम नहीं आते हैं। ऐसे में अगर हम आपको कुछ छोटे-छोटे बदलाव करने के लिए कहें, जिससे हर महीने आपकी बचत बढ़ सकती है तो क्या आप ऐसा करने के लिए तैयार हैं? आइए जानते हैं कि जीवनशैली में कौन-कौन से छोटे-छोटे बदलाव करके आप पैसे बचा सकते हैं।

पानी का करें सही उपयोग

पानी का उपयोग करते समय उसे बचाने की कोशिश करें। जैसे नहाते समय बाल्टी का इस्तेमाल करें और गिलास में पानी भरकर उसका इस्तेमाल करें। इससे आप पानी की बचत कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप बगीचे में पानी डालने के लिए पाइप का इस्तेमाल करते हैं तो उसे खुला न रखें। पाइप के आगे स्विच लगवाएं, ताकि जब आपको पानी डालना न हो तब पाइप का पानी न बहे। इससे पानी की बचत होगी।

मेट्रो या बस में करें सफर

अगर आपको ऑफिस जाने के लिए रोजाना मेट्रो या बस से सफर करना पड़ता है तो अपनी यात्रा को सस्ती बनाने के लिए मेट्रो या बस का पास बनवा लें। अगर आपकी ऑफिस मेट्रो से 30 किलोमीटर दूर है तो महीने का मेट्रो पास बनवाने से आपकी यात्रा का किराया कम आएगा। इसके अलावा अगर आप मेट्रो या बस से ज्यादा दूर नहीं जाते हैं तो रोजाना टिकट खरीदने के बजाय मेट्रो या बस का पास बनवाएं।

घर से बाहर खाने के बजाय घर का बना खाना खाएं

अगर आप घर से बाहर रहकर खाना खाते हैं तो हर दिन आपको काफी पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इसलिए, घर से बाहर खाना खाने के बजाय घर का बना खाना खाएं। इससे आपके स्वास्थ्य को भी लाभ होगा और आप हर महीने कुछ पैसे भी बचा सकेंगे। इसके अलावा घर का बना खाना स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। इसी के साथ घर का बना खाना खाने से पैसे की भी बचत होती है।

बिजली की बचत करने के लिए इन तरीकों को अपनाएं

घर में बिजली की बचत करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें। जैसे जब भी आप कमरे से बाहर जाएं तो लाइट और पंखे बंद कर दें। इसके अलावा दिन के समय खिड़कियों की मदद से कमरे को रोशन रखें और रात के समय कम बिजली खर्च करने वाले बल्ब का इस्तेमाल करें। साथ ही घर में ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल करें, जो कम बिजली का उपयोग करते हों। बिजली की बचत करने से बिल कम आएगा।

ऑनलाइन खरीदारी करते समय सोचें

अगर आप ऑनलाइन खरीदारी करना पसंद करते हैं तो अपने बजट से बाहर न जाएं और सिर्फ उन्हीं चीजों को खरीदें, जो आपकी जरूरत की हों। इसके अलावा ऑनलाइन खरीदारी करते समय छूट और ऑफर्स पर ज्यादा ध्यान दें। साथ ही किसी भी चीज को खरीदने से पहले उसकी कीमत को अन्य वेबसाइट पर जांच लें। ऐसा करने से आपको सही कीमत पर सही चीज मिलेगी और आप ज्यादा पैसे भी खर्च होने से बचा सकेंगे।

रोजाना कुछ लिखने की आदत आपके लिए होगी बहुत फायदेमंद, जानें अपनाने के सुझाव

रोजाना कुछ लिखने की आदत डालना एक जरूरी कदम है, जो आपके विचारों को साफ करने और मानसिक शांति देने में मदद करता है। यह आदत न केवल आपके लिखने की क्षमता को सुधारती है, बल्कि आपको अपने जीवन के अनुभवों को बेहतर तरीके से समझने में भी मदद करती है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप रोजाना कुछ लिखने की आदत डाल सकते हैं और इसे बनाए रख सकते हैं।

सुबह का समय चुनें

लिखने के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा होता है, जब आपका मन ताजा होता है और कोई भी काम करने की ऊर्जा भरपूर होती है। सुबह उठते ही नाश्ते से पहले या बाद में कुछ मिनट निकालकर लिखने की आदत डालें। इससे आपका दिन सही दिशा में शुरू होगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। नियमितता से लिखने की आदत डालने के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त है।

छोटी-छोटी शुरुआत करें

किसी भी आदत को शुरू करने के लिए सबसे पहले छोटी-छोटी शुरुआत करना जरूरी होता है। शुरुआत में केवल 5-10 मिनट तक ही लिखें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं।

इससे आदत बनाने में आसानी होगी और आप इसे लंबे समय तक बनाए रख सकेंगे। छोटी शुरुआत करने से मनोबल भी बना रहता है और आप इसे नियमित रूप से करने के लिए प्रेरित रहते हैं। इस तरह आप बिना किसी दबाव के अपनी लिखने की आदत को विकसित कर सकते हैं।

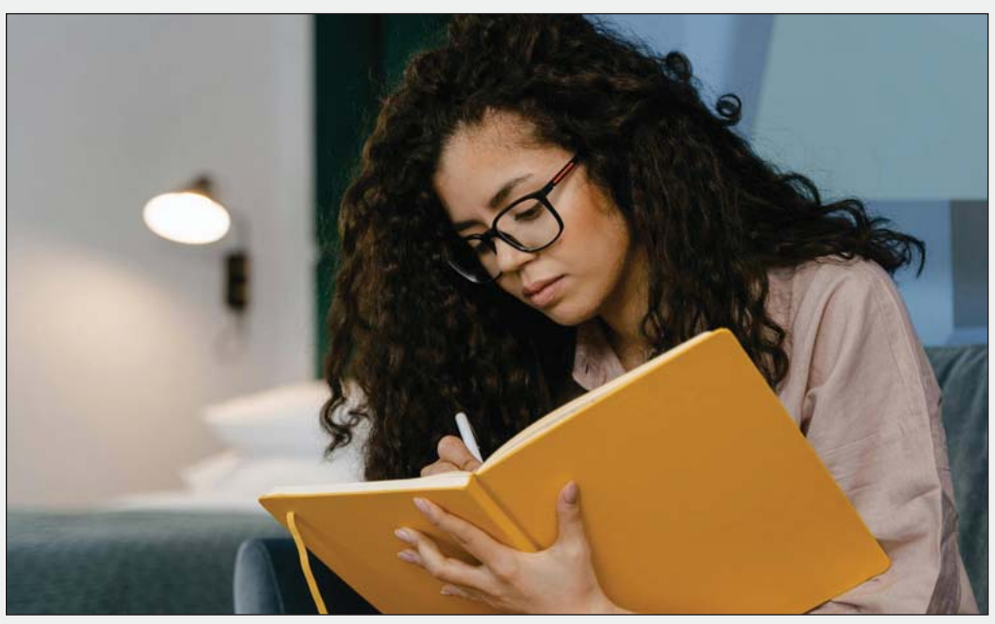

एक डायरी रखें

अपने विचारों और अनुभवों को नोट करने के लिए हमेशा एक डायरी अपने पास रखें। इससे आप कहीं भी, कभी भी अपने विचारों को आसानी से लिख सकते हैं।

डायरी का इस्तेमाल करने से आपके पास एक ऐसा स्थान होगा, जहां आप अपने सभी विचारों को एक जगह पर संकलित कर सकते हैं।

इसके अलावा यह लिखने की आदत को नियमित बनाए रखने में मदद करेगा। इस तरह से आप लिखने की प्रक्रिया को और भी बेहतर बना सकते हैं।

विषय चुनें

लिखने के लिए विषय चुनना बहुत जरूरी होता है, ताकि आपको सोचने में मुश्किल न हो। आप अपने जीवन के अनुभव, यात्रा, किताबें या कोई भी ऐसा विषय चुन सकते हैं, जो आपको पसंद हो। विषय चुनने से आपका ध्यान केंद्रित रहेगा और आप बेहतर तरीके से लिख पाएंगे।

इसके अलावा एक ही विषय पर लगातार लिखने से आपकी लिखने की क्षमता भी बढ़ेगी और आप अपने विचारों को साफ तरीके से व्यक्त कर सकेंगे।

खुद पर दबाव न डालें

रोजाना कुछ लिखते समय खुद पर कोई दबाव न डालें कि आपको बहुत अच्छा या लंबा लिखना है। बस अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से बहने दें।

इससे आपका लेखन स्वाभाविक रहेगा और आप इसे लंबे समय तक बनाए रख सकेंगे।

इसके अलावा खुद पर कोई दबाव डालने से आपकी रचनात्मकता भी प्रभावित हो सकती है, इसलिए आराम से और बिना किसी चिंता के लिखें, ताकि आप अपनी लिखने की प्रक्रिया का पूरा आनंद ले सकें।

क्या जानबूझकर कराई गई थी 'सरके चुनर...' गाने की कंट्रोवर्सी, फतेही ने तोड़ी चुप्पी

नोरा फतेही के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' का काफी विरोध किया गया था। गाने को लेकर हुए विवाद पर नोरा फतेही का कहना है कि उन्हें इसका पहले से अंदाजा था। साथ ही उन्होंने दावा किया कि कुछ इन्फ्लुएंसर्स को इस गाने के खिलाफगुस्से को भड़काने के लिए पैसे दिए गए थे।

नोरा बोलीं- 'हिंदी गाने को कभी मंजूरी नहीं दी'

नोरा फतेही का कहना है कि उन्होंने कभी भी इस हिंदी गाने को मंजूरी नहीं दी थी। साथ ही नोरा ने दावा किया है कि इस गाने पर विवाद भड़काने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को कथित तौर पर पैसे दिए गए थे। नोरा ने 'ड्रीम विद डॉ. शीन' पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा, 'मुझे पहले से पता है कि आपको किसने हायर किया, कब किया और आपको कितने पैसे दिए'। आगे कहा, 'जिसने भी यह सब किया, उसने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। फेमिनिज्म की वजह से मैं पहले से ही तैयार थी।

मैं साफ-साफबात कहने वाली इंसान हूं

अभिनेत्री नोरा ने आगे कहा कि कई तरह की गलत बातें फैलाई जा रही थीं, इसलिए बाद में उन्होंने एक वीडियो जारी किया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि उनकी चुप्पी का गलत मतलब निकाला जा सकता था। उस घटना को याद करते हुए नोरा ने कहा कि उन्होंने अपनी बात साफ की और कहा कि उन्हें नहीं पता कि हिंदी वर्जन कहां से आया।

मैंने सच कहा। मैंने बताया कि मुझे नहीं पता कि यह कहां से आया, मैंने इस गाने के लिए कोई शूट नहीं किया था। मैंने सारी जानकारी दी। 'ऐसे गाने रोज बनते हैं। जो है, सो है। मैं यह नहीं कह रही कि यह अच्छा है'।

इससे पहले शेयर किए गए एक डिटेल्ड वीडियो मैसेज में नोरा ने आलोचना पर बात की। अपना पक्ष साफ किया और गाने के हिंदी वर्शन से खुद को अलग कर लिया था। नोरा ने कहा था कि उन्होंने यह गाना असल में लगभग तीन साल पहले कन्नड़ में शूट किया था।

नोरा के मुताबिक, उन्हें नहीं पता था कि बाद में इसे कैसे बदला जाएगा? उन्होंने कहा, 'मैंने यह गाना तीन साल पहले कन्नड़ में शूट किया था। जब मैंने यह गाना शूट किया, तो मैंने इसके लिए हां कहा, क्योंकि यह एक बड़ी फिल्म का हिस्सा था। संजय दत्त के साथ काम करने का मौका था। भला कौन इसके लिए मना करता? मुझे लगा कि यह 'नायक नहीं खलनायक हूं मैं' गाने का रीमेक था।

बता दें कि 'सरके चुनर...' फिल्म 'केडी-द डेविल' का गाना है, जिस पर काफी विवाद हुआ था। इस पर आपत्तिजनक बोल और फूहड़ता के आरोप लगे थे और गाने के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी।

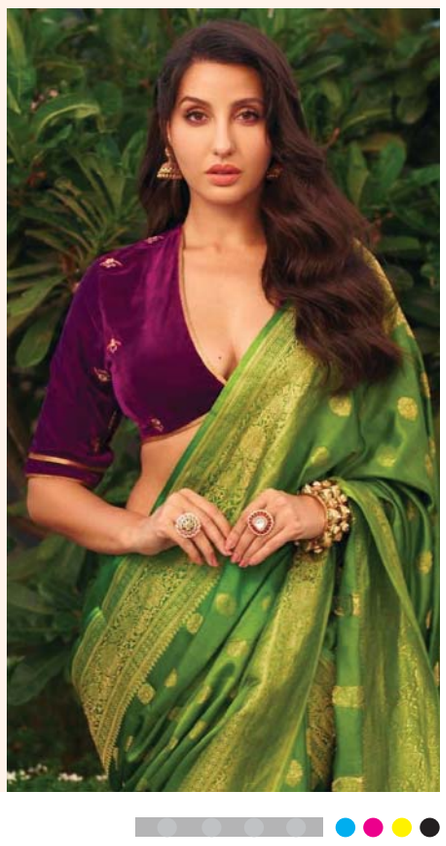

खास-खबर

मेहनत और हुनर से थैलीटोला की महिलाएं गढ़ रहीं आत्मनिर्भरता की कहानी

मोहला। ग्रामीण परिवेश में रहते हुए भी महिलाएं अपनी मेहनत, हुनर और समूह की एकजुटता से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। विकासखंड अंबागढ़ चौकी के ग्राम थैलीटोला की जय मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की 10 महिलाओं ने अगरबत्ती एवं धूप-लुभान निर्माण को स्वरोजगार का माध्यम बनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। समूह की महिलाएं इस कार्य से सालाना लगभग 3 लाख रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं। समूह की अध्यक्ष श्रीमती रिंकी सिन्हा बताती हैं कि कुछ समय पहले तक समूह से जुड़ी सभी महिलाएं घर-परिवार के कार्यों और खेती-किसानी में ही व्यस्त रहती थीं। नियमित आमदनी का कोई अलग साधन नहीं था। बिहान योजना से जुड़ने के बाद महिलाओं को एकजुट होकर अपनी क्षमता और रुचि के अनुरूप स्वरोजगार शुरू करने का अवसर मिला।

बच्चों के बीच कलेक्टर का सहज अंदाज, चॉकलेट बांटी और सुनी नन्हे-मुन्नों की बातें

सूरजपुर। कलेक्टर रेना जमील ने भैयाथान विकासखंड की ग्राम पंचायत तरका में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र तरका-ब का निरीक्षण किया। जहां पद की औपचारिकता से परे उन्होंने बच्चों के बीच दरी पर बैठकर आत्मीय संवाद किया और उन्हें अपने हाथों से चॉकलेट वितरित की। कलेक्टर का यह सहज अंदाज नन्हे बच्चों को खूब भाया और पूरा केंद्र उत्साह से भर उठा। कलेक्टर के आग्रह पर बच्चों ने हिंदी एवं अंग्रेजी वर्णमाला सुनाई। बिना किसी झिझक के आत्मविश्वास से भरी इस प्रस्तुति पर कलेक्टर सहित उपस्थित अधिकारियों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

जिले के स्कूलों में एचपीवी टीकाकरण महाअभियान तेज

रायगढ़। जिले की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के समस्त शासकीय एवं निजी स्कूलों में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण महाअभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें प्रतिदिन जिले के विभिन्न स्कूलों में पहुंचकर पात्र बालिकाओं का टीकाकरण कर रही हैं। स्कूल परिसर में ही टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध होने से बालिकाओं और उनके पालकों को काफी सहूलियत मिल रही है। सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जगत ने बताया कि 14 वर्ष तक की बालिकाओं को भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के खतरे से बचाना है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर से राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने की सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला अधिकारों के संरक्षण, महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यालय में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर से सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर विस्तार से महत्वपूर्ण चर्चा हुई। डॉ. ममता साहू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल एवं प्रभावी आयोजन के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, उनके संरक्षण से जुड़े प्रावधानों तथा उपलब्ध सहायता तंत्र की जानकारी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया गया।राष्ट्रीय महिला आयोग के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में प्रस्तावित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। प्रशिक्षण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने तथा जमीनी स्तर पर जागरूकता को और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. ममता साहू ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनों की जानकारी देना सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। राष्ट्रीय महिला आयोग के मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी रूप से आयोजित कर महिलाओं तक अधिकार एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी पहुंचाने के प्रयासों को नई गति मिलेगी। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा महिला अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए जागरूकता एवं प्रशिक्षण गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ समन्वय से प्रस्तावित यह कार्यक्रम प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वनवासियों का हित और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: कश्यप

तेंदूपत्ता व्यापार में पारदर्शिता पर जोर, कांकेर में भालू के हमलों को रोकने बनेगी विशेष कार्ययोजना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आज वनोपज राजकीय व्यापार अंतर्विभागीय समिति (आईडीसी) की 322वीं बैठक आयोजित हुई। यह बैठक नया रायपुर स्थित मंत्री कश्यप के निवास/कार्यालय में आयोजित थी। बैठक में वर्ष 2026 में संग्रहित एवं गोदामीकृत तेंदूपत्तों के विक्रय के लिए द्वितीय चरण की कार्यवाही तथा वर्ष 2025 सीजन के क्रेता करारनामा समाप्त तेंदूपत्ता लॉट के विक्रय के लिए प्राप्त निविदाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में तेंदूपत्ता व्यापार, क्रेताओं की नियुक्ति, वनोपजों की बिक्री और वन्यजीवों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री कश्यप ने वनवासियों के आर्थिक हितों के साथ उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार वनवासियों के आर्थिक सशक्तीकरण और उनकी सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। तेंदूपत्ता व्यापार में पारदर्शिता और समयबद्ध निर्णयों से संग्राहकों को लाभ मिलेगा। वहीं, मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में समिति की 321वीं बैठक में लघु वनोपज संघ से संबंधित लिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी लेने के साथ प्रगति की सराहना की गई।

बैठक में कांकेर जिले और आसपास के वन क्षेत्रों में भालुओं की बढ़ती गतिविधियों से ग्रामीणों की सुरक्षा का विषय भी प्रमुखता से उठाया गया। मानव-वन्यजीव संघर्ष और जनहानि को रोकने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

भालुओं की आवाजाही वाले क्षेत्रों में वन विभाग को लगातार निगरानी रखने और ग्रामीणों को समय पर सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, ग्रामीणों और वनवासियों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया, ताकि लोग वन्यजीवों की गतिविधियों के प्रति सतर्क रहें और किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

राज्य सरकार की प्राथमिकता वनवासियों को उनकी मेहनत का उचित लाभ दिलाने के साथ ही वन क्षेत्रों में सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। तेंदूपत्ता सहित लघु वनोपज के व्यापार में पारदर्शी व्यवस्था से संग्राहकों के आर्थिक हित मजबूत होंगे।

वहीं मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए किए जा रहे प्रयास ग्रामीणों के जीवन में सुरक्षा और भरोसा बढ़ाएंगे।

तेंदूपत्ता के 40 लॉट के लिए 15 खरीदार नियुक्त

बैठक में वर्ष 2026 सीजन में संग्रहित और भंडारित तेंदूपत्ता लॉटों के विक्रय की समीक्षा की गई। 4 अगस्त 2026 को हुई द्वितीय चक्र की ऑनलाइन ई-निविदा के आधार पर 40 लॉट के लिए 15 खरीदारों को नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। इसी तरह वर्ष 2025 सीजन के अनुबंध समाप्त तेंदूपत्ता लॉटों के लिए द्वितीय चक्र की ई-निविदा के माध्यम से 6 लॉट के लिए 3 खरीदारों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। इस प्रक्रिया से तेंदूपत्ता व्यापार में पारदर्शिता और समयबद्धता को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश में लक्ष्य का 97 प्रतिशत बोनी पूर्ण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में खेती किसानी का कार्य जोरों पर है। राज्य में 25 अगस्त की स्थिति में राज्य के 47.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 97 प्रतिशत बोनी पूर्ण हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश किसानों को सुगमता से मिले खाद-बीज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा गया है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किसानों को अब तक 12.07 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.58 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। खेती का प्रारंभिक कार्य लगभग अंतिम चरण में है।

बीज राखियों से सजेगा रक्षाबंधन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायगढ़ जिले में इस बार रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह के साथ पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश भी देगा। बिहान से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाएं धान, मक्का, बरबट्टी, लौकी, करेला, सेमी, कुम्हड़ा, भिंडी, उड़द, मसूर और मूंगफली सहित स्थानीय बीजों से आकर्षक बीज राखियां तैयार कर रही हैं। यह नवाचार महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय और स्वरोजगार का नया अवसर भी बन रहा है।

बीज राखी निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए जिले के सातों विकासखंडों में प्रतियोगिता आयोजित कर उत्कृष्ट राखियां तैयार करने वाली महिलाओं का चयन किया गया। चयनित महिलाओं ने जिला कलेक्टोरेट पहुंचकर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी सहित अधिकारियों को अपने हाथों से बनाई बीज राखियां पहनाईं। कलेक्टर ने महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप स्व-सहायता समूह की महिलाओं को नवाचार, सशक्तिकरण और आजीविका से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय संसाधनों और हुनर से महिलाएं आय के नए साधन विकसित कर रही हैं।

बीज राखियों की विशेषता यह है कि उपयोग के बाद इन्हें मिट्टी में दबाने पर इनमें मौजूद बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले सकते हैं। कम लागत, आकर्षक डिजाइन और पर्यावरण हितैषी स्वरूप के कारण इनकी मांग बढ़ रही है। इस तरह बीज राखी भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ प्रकृति संरक्षण और हरियाली का सुंदर संदेश भी जन-जन तक पहुंचाएगी।

छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी वैश्विक उड़ान, संस्कृति और विरासत को भी नई पहचान

चित्रकोट, सिरपुर से लेकर धार्मिक पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग तक व्यापक कार्ययोजना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने विभागों की उपलब्धियों, योजनाओं और आगामी प्राथमिकताओं की जानकारी मीडिया के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाई।

श्री अग्रवाल नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया से रूबरू हुए। प्रेस वार्ता में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे, संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की डीजीएम पूनम शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

प्रेस वार्ता की शुरुआत पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यटन से संबंधित महत्वपूर्ण उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की विस्तृत प्रस्तुति के साथ हुई। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे जलप्रपात, बस्तर और सरगुजा की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सिरपुर जैसी ऐतिहासिक विरासत तथा मां दंतेश्वरी और मां महामाया जैसे प्रमुख आस्था केंद्रों की समृद्ध विरासत प्रदान की है। सरकार का लक्ष्य इन प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपदाओं को देश और दुनिया के सामने नई पहचान दिलाना है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले लगभग ढाई वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। फिल्म सिटी निर्माण के लिए 203 करोड़ 53 लाख के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। फिल्म पर्यटन और बड़े आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए फिल्म सिटी एवं कन्वेंशन सेंटर के विकास की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 350 करोड़ है।

सुर, लय और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों के बीच 'पावस प्रसंग' का भव्य समापन, मुक्ताकाशी मंच पर उमड़ा दर्शकों का सैलाब

कलाकारों को मंच और सम्मान देना सरकार की प्राथमिकता- राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संस्कृति विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के मुक्ताकाशी मंच में आयोजित चार दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन 'पावस प्रसंग 2026' का अंतिम दिन सुर, लय, ताल और नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों से सजा रहा। कलाकारों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों और दर्शकों की अपार भीड़ के बीच आयोजन का भव्य समापन हुआ। मुक्ताकाशी मंच का पूरा वातावरण शास्त्रीय संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों से सराबोर रहा तथा दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

समापन समारोह में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा पावस ऋतु के उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की समृद्ध परंपरा को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से 'पावस प्रसंग' का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ ही कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराते हैं। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि आयोजन में शास्त्रीय संगीत, गायन और विभिन्न नृत्य शैलियों की प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और कला की समृद्ध परंपरा को सामने लाया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के कलाकारों और नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार कलाकारों के हितों के संवर्धन के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कलाकारों के प्रोत्साहन और उनके कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें मुख्यमंत्री कलाकार प्रोत्साहन योजना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'पावस प्रसंग' में अपनी कला-साधना से वर्षा ऋतु के सौंदर्य को साकार करने वाले सभी कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी साधना और प्रतिभा के बल पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित मंचों पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। मंत्री अग्रवाल ने आयोजन की सफलता के लिए कला प्रेमी दर्शकों, मीडियाकर्मियों और पत्रकारों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मीडिया ने आयोजन के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साथ ही उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कलाकारों की पदचाप, भाव-भंगिमाओं, ताल और लय के अद्भुत समन्वय ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। प्रस्तुतियों के दौरान मुक्ताकाशी मंच पर मौजूद दर्शक कला की बारीकियों में डूबे नजर आए और प्रत्येक प्रस्तुति के बाद जोरदार तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

समापन समारोह में अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्य क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख जी. नागेन्द्र, वरिष्ठ साहित्यकार चितरंजन कर, साहित्यकार राजेश गानोदवाले एवं राम पटवा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कथक और ओडिसी की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

पावस प्रसंग के अंतिम दिन विभिन्न नृत्य शैलियों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विनीता त्रिपाठी ने कथक नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इसके बाद कृष्ण कुमार पंडित एवं सुश्री अशिका सिंघल ने कथक की मनोहारी प्रस्तुति से मुक्ताकाशी मंच पर समां बांध दिया। वहीं आर्या नदें ने ओडिसी नृत्य और ज्योतिषी वैष्णव ने कथक नृत्य की भावपूर्ण एवं प्रभावशाली प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

मेगा क्रेडिट मेला में 26 करोड़ 12 लाख रुपये से अधिक के ऋण वितरित

गरियाबंद। जनपद पंचायत गरियाबंद में जिला स्तरीय मेगा क्रेडिट एवं ऋण मेला के आयोजन में कलेक्टर रणबीर शर्मा शामिल हुए। उन्होंने मेगा क्रेडिट मेला के दौरान विभिन्न हितग्राहियों एवं स्व-सहायता समूहों को 26 करोड़ 12 लाख रुपये से अधिक की ऋण राशि प्रदान की। कलेक्टर ने हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण से संबंधित दस्तावेज प्रदान करते हुए शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हो रही हैं। महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारियां संभालने तक सीमित नहीं हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कोरबा में सड़क हादसे में बाप-बेटे की मौत

कोरबा। कोरबा जिले के कुसमुंडा थाना क्षेत्र के खोरडी मोड़ के पास मंगलवार शाम तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। ग्राम सराईसिंगार निवासी फूल सिंह, उनके बेटे नरसिंह सिंह और यशवंत सिंह बाइक से गेवरा की ओर जा रहे थे। खोरडी मोड़ के पास सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों वाहनों के सामने का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ। हादसे में फूल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नरसिंह सिंह और यशवंत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान नरसिंह सिंह ने भी दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों का मर्ग पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तीन दिन की तलाश के बाद तालाब से मिला रामदयाल का शव

मरवाही। तीन दिनों से जिस तालाब के किनारे एक परिवार अपने लापता सदस्य के सकुशल लौटने की उम्मीद लगाए बैठा था, बुधवार सुबह वही इंतजार मातम में बदल गया। पेंड्रा थाना क्षेत्र के जाटादेवरी गांव के वासिमपाट निवासी रामदयाल पनिका का शव आखिरकार तालाब से बरामद कर लिया गया। बिलासपुर से पहुंची एसडीआरएफ टीम ने दो दिनों तक लगातार चलाए गए रेस्क्यू अभियान के बाद बुधवार को शव को बाहर निकाला। रामदयाल सोमवार सुबह गांव के चौक स्थित तालाब की ओर गया था। ग्रामीणों ने उसे तालाब में जाते हुए देखा था, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। मोबाइल फोन बंद मिलने के बाद परिवार की चिंता और बढ़ गई। घटना की जानकारी पेंड्रा पुलिस को दी गई। इसके बाद गांव के तैराकों ने तालाब में खोजबीन शुरू की। काफी प्रयास के बावजूद जब रामदयाल का कोई सुराग नहीं मिला तो बिलासपुर से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। कई घंटों की मेहनत के बाद आखिरकार रामदयाल का शव तालाब से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की परिस्थितियों और कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के बाद पूरे जाटादेवरी गांव में शोक का माहौल है।

ठेकेदार के घर से 10 लाख रुपये और महंगी स्कॉच की बोतल पार

रायगढ़। रायगढ़ जिले के ढिमरापुर की वृंदावन कॉलोनी में एक ठेकेदार के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने अलमारी में रखे 10 लाख रुपये नकद पार कर दिए। चोर घर में रखी महंगी स्कॉच शराब की बोतल भी चुरा ले गया, जो गृहस्वामी को उनके एक मित्र ने उपहार में दी थी। एनटीपीसी लारा संयंत्र में ठेकेदारी का काम करने वाले आनंद कुमार सिंघानिया रविवार को अपनी पत्नी के झारसुगुड़ा गए थे। वे दो दिन तक वहीं रुके रहे। इसी दौरान घर की देखभाल करने वाला कर्मचारी भी बाहर गया हुआ था। चोर ने अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे 10 लाख रुपये नकद और दोस्त की दी हुई महंगी स्कॉच शराब की बोतल चुरा ली थी। पहचान स्थापित करने तथा उसके भागने के रास्ते को चिह्नित करने के लिए इलाकों के सीसीटीवी फुटेज का भी विश्लेषण कर रही है।

बिलासपुर में 2 फरार आरोपियों पर 5-5 हजार का इनामः तोरवा पुलिस ने जारी किए नंबर

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के तोरवा थाना क्षेत्र में दर्ज संगीन अपराधों के दो फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बिलासपुर पुलिस ने 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों की जानकारी देने के लिए मोबाइल और कंट्रोल रूम के नंबर जारी किए हैं। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने थाना तोरवा में दर्ज मामलों में फरार चल रहे आरोपियों के संबंध में इनाम की घोषणा की है। इनमें अर्जुन यादव (25) पिता बहोरिक यादव, निवासी पंचायत भवन के पास महमंद, थाना तोरवा और गोविंदा पासी (25) पिता जय सिंह पासी, निवासी काली मंदिर के पास लालखदान, तोरवा शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के बारे में जानकारी मिलने पर तत्काल सूचना देने की अपील की है। इसके लिए इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

पुलिस ने कहा है कि आरोपियों के संबंध में

सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुरस्कार के संबंध में पुलिस उप महानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का निर्णय अंतिम होगा।

एसएसपी बिलासपुर: 07752-223330
एएसपी शहर: 9479193002
पुलिस कंट्रोल रूम: 07752-228504
मोबाइल: 9479193099
थाना प्रभारी तोरवा: 9479193021

साले ने शराब पिलाकर जीजा का गला घोंटा, नाले की रेत में शव दफनाया

बहन से मारपीट का बदला लेने हत्या की, चार अरेस्ट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में मार्च में हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। साले ने ही जीजा को मारकर उसकी लाश नाले की रेत में दफना दी थी। मृतक अपनी पत्नी पर उसके ममेरे भाई (मुख्य आरोपी) से अफेयर का शक करता था। इसी शक में पत्नी से मारपीट करता था।

आरोपी ने वारदात को अंजाम देने नाबालिग समेत 3 और लोगों को अपने साथ शामिल किया। आरोपियों ने उसे शराब पिलाने के बहाने खेत में बुलाया और गमछे से गला घोंटकर मार दिया। इसके बाद शव को नाले के किनारे गड्ढा खोदकर रेत में दबा दिया था।

इस मामले में पुलिस ने नाबालिग समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में उपयोग की गई बाइक भी जब्त की है। घटना मदनवाड़ा थाना क्षेत्र की है।

घटना 5 मार्च 2026 की है। भैंसाराटोला निवासी संजय हथगिया ने पुलिस को कोहका नाले के पास एक अज्ञात शव पड़े होने की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही मदनवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम कराया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस को हत्या की आशंका हुई। इसके बाद बीएनएस की धारा 103(1) और 238 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों की मदद से मृतक की पहचान कदम भुआर्य (36), निवासी राजकट्टा, थाना औंधी के रूप में की।

हैदराबाद तक पहुंची पुलिस, संदेही को हिरासत में लिया

मामले की जांच के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाई.पी. सिंह के निर्देशन और एसडीओपी विनोद मिंज के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने साइबर सेल की तकनीकी मदद के साथ मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की।

जांच के दौरान मुख्य संदेही चंदन अंधारे की लोकेशन हैदराबाद में मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में पुलिस के अनुसार, चंदन ने हत्या की पूरी घटना के बारे में जानकारी दी।

पत्नी से संबंध के शक को लेकर थी रंजिश

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में सामने आया कि मृतक कदम भुआर्य अपनी पत्नी परमेश्वरी के साथ अक्सर मारपीट करता था। उसे शक था कि पत्नी के उसके ममेरे भाई चंदन के साथ संबंध हैं। इसी बात को लेकर कदम और चंदन के बीच रंजिश थी।

वहीं, परमेश्वरी का भाई चमन लाल देहरी भी अपनी मां और बहन के साथ मृतक के व्यवहार से नाराज था। पुलिस के अनुसार, इसी पारिवारिक विवाद और रंजिश के चलते चंदन और चमन ने कदम की हत्या की साजिश रची। पुलिस के मुताबिक, इस साजिश में हेमंत राणा और एक नाबालिग को भी शामिल किया गया।

पुलिस के अनुसार, 28 फरवरी को आरोपियों ने कदम को सीतागांव बस स्टॉप के पास रोका। इसके बाद उसे शराब पीने के बहाने चंदन के घर के पास स्थित खेत में ले गए। वहां सभी ने शराब पी। पुलिस के मुताबिक, जब कदम ज्यादा नशे में हो गया तो आरोपियों ने कथित तौर पर गमछे से उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को पास के नाले किनारे ले जाकर गड्ढा खोदा और रेत में दबा दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक का मोबाइल, पर्स और जूते भी नाले में फेंक दिए गए थे, ताकि घटना से जुड़े सबूत मिटाए जा सकें।

कार घर पर, फिर भी कटते रहे चालान और टोल, असली मालिक का कटा फाइन

फर्जी नंबर प्लेट दुर्ग आरटीओ में रजिस्टर्ड, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र में फर्जी नंबर प्लेट का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। रायपुर के एक युवक की कार कहीं गई ही नहीं, लेकिन करीब एक साल तक उसके नंबर पर ट्रैफिक चालान और टोल की रकम कटती रही। जांच में पता चला कि उसकी कार का पंजीयन नंबर दूसरी टोयोटा यारिस पर लगाया गया था। पुलिस ने आरोपी को कार समेत गिरफ्तार कर लिया है।

मोनिश को पिछले करीब एक साल से अपने वाहन के नाम पर अलग-अलग जगहों के ट्रैफिक चालान और टोल कटने के मैसेज मिल रहे थे। उनके मुताबिक उनकी कार ओडिशा तक नहीं गई, फिर भी नंबर पर करीब 2 हजार रुपए के चालान और 7 से 8 हजार रुपए की टोल राशि कट गई।

लगातार अनजान जगहों से चालान और टोल के मैसेज आने के बाद मोनिश को शक हुआ कि कोई दूसरा व्यक्ति उनकी कार का नंबर इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने 24 अगस्त को मोहन नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की। तलाश के दौरान हरी नगर स्थित रजत डोम के पास एक टोयोटा यारिस संदिग्ध हालत में मिली। इस कार पर भी सीजी 07 बीजेड 5226 नंबर लगा हुआ था। जांच में सामने आया कि कार आरोपी विजय सेन (28), निवासी हरी नगर, दुर्ग की है। पुलिस के मुताबिक विजय सेन अपनी टोयोटा

यारिस पर दूसरे वाहन का पंजीयन नंबर इस्तेमाल कर रहा था। इसके चलते सड़क पर चलने वाली आरोपी की कार के चालान और टोल की जानकारी रिकॉर्ड में मोनिश की कार के नाम पर दर्ज हो रही थी। इससे वास्तविक वाहन मालिक को बिना गलती के आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी उठानी पड़ी। मोहन नगर पुलिस ने संदिग्ध टोयोटा यारिस को जब्त कर विजय सेन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी वाहन से संबंधित वैध दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं कर सका। जब्त कार की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपए बताई गई है।

पुलिस अब यह पता लगा रही है कि आरोपी ने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर पिछले दिनों किन-किन स्थानों पर वाहन चलाया। नंबर का इस्तेमाल केवल चालान और टोल से बचने के लिए किया गया या इसके पीछे कोई अन्य वजह भी थी।

मोनिश की शिकायत पर मोहन नगर थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 600/2026 दर्ज किया है। आरोपी के खिलाफ की धारा 336(3), 340(2), 345(3) और 347(1) के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

लिवइन पार्टनर ने रेता अपना गला तो युवती ने भी उतारी नकल

अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाष नगर में बुधवार 26 अगस्त को एक सनसनीखेज घटना सामने आई। सरस्वती कॉलेज के पीछे स्थित किराए के मकान में एक युवक की खून से लथपथ हालत में लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं, युवक के साथ करीब 10 वर्षों से लिव-इन रिलेशन में रह रही युवती ने भी अपना गला काट लिया। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खून से लथपथ मिला युवक

मृतक युवक की पहचान मोहन के रूप में बताई जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, युवक की मौत गले पर गंभीर चोट लगने से हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी।

प्रेमिका ने बताई घटना की वजह

घायल युवती के मुताबिक, उसके प्रेमी मोहन ने कथित तौर पर खुद अपना गला काट लिया था। प्रेमी को इस हालत में देखने के बाद उसने भी अपना गला काट लिया। इसके बाद युवती को गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका इलाज जारी है। घटना को लेकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और युवती के बयान के आधार पर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया और दोनों के बीच घटना से पहले क्या हुआ था, इसकी जांच की जा रही है।

32 टन लौह अयस्क गायब पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। एनएमडीसी के नगरनार स्टील प्लांट के लिए रवाना हुआ करीब 31.5 टन लौह अयस्क तय मंजिल तक पहुंचने से पहले ही रास्ते में गायब हो गया। कुम्हार मारेंगा से नगरनार स्टील प्लांट के लिए निकला ट्रक करीब 10 किलोमीटर का सफर तय करने के बजाय एक निजी स्थान पर पहुंचा, जहां लदे हुए पूरे लौह अयस्क को अनलोड कर दिया गया। इसके बाद ट्रक वापस लौट गया।

रास्ते में ही खाली कर दिया 31 टन आयरन ओर

मामले की शिकायत के बाद परपा थाना पुलिस ने अमानत में खयानत के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। बस्तर के एएसपी सुखनंदन राठौर के मुताबिक, करीब 31 मीट्रिक टन आयरन ओर से लदा ट्रक नगरनार स्टील प्लांट के लिए रवाना हुआ था, लेकिन प्लांट पहुंचने के बजाय रास्ते में ही माल अनलोड कर दिया गया और ट्रक वापस लौट गया। जांच के दौरान पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों की पहचान की है। इनमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है, जबकि तीसरा आरोपी फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

ट्रांसपोर्ट व्यवस्था और मिली भगत पर भी जांच जारी

अब पुलिस की जांच का अहम सवाल यही है कि, एनएमडीसी के लिए निकला 31.5 टन लौह अयस्क आखिर किसके कहने पर तय मंजिल से पहले निजी जगह पर खाली किया गया? माल को प्लांट तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालने वाली ट्रांसपोर्ट व्यवस्था में किस स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत हुई, इसकी भी जांच की जा रही है।

दो महिलाओं को बनाया निशाना, लॉकेट छीनकर भागी महिला हिरासत में

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला के मंगली साप्ताहिक बाजार में मंगलवार को छीना-झपटी की दो अलग-अलग घटनाओं से हड़कंप मच गया। दोनों घटनाओं में एक ही महिला के शामिल होने की बात सामने आई है। बाजार में मौजूद लोगों की सक्रियता से महिला को पकड़ लिया गया। दोनों पीड़ित महिलाओं की शिकायत पर पुलिस ने संतोषी बंसल के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मंगलवार शाम जब पीड़ित कौशिल्या ध्रुर्वे बाजार में फल खरीद रही थीं। पर्स कंधे पर लटका हुआ था। एक महिला अचानक उनके पास पहुंची और पर्स छीनकर भागने लगी। महिला को पर्स लेकर भागते देख आसपास मौजूद लोगों ने उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। लोगों ने प्रशासन से बाजार में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने, नियमित गश्त और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में 67 वर्षीय व्यवसायी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा में नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत के आरोप में सिटी कोतवाली पुलिस ने 67 वर्षीय व्यवसायी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। 16 वर्षीय किशोरी ने शिकायत में आरोप लगाया कि चेतन चौधरी उसके साथ अश्लील हरकतें करता था। विरोध करने पर उसके साथ गाली-गलौज भी की जाती थी। घटना से परेशान किशोरी ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी, जिसके बाद परिजनों ने सिटी कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। मामला पॉक्सो एक्ट से जुड़ा होने के कारण पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई, लेकिन एफआईआर के बाद वह फरार हो गया। फरारी के दौरान आरोपी ने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में

अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया था। सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा ने जमानत का विरोध किया। उन्होंने कोर्ट के समक्ष मामले की गंभीरता और नाबालिग पीड़िता से जुड़े होने का हवाला दिया।

दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी का अग्रिम जमानत आवेदन खारिज कर दिया। इसके बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। सूचना के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

नशीली कफ सिरप के साथ एक गिरफ्तारः 38 शीशियां आनरेक्स जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशीली कफ सिरप बेचते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से आनरेक्स कफसिरप की 38 शीशियां और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। पुलिस ने उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

यह कार्रवाई जिले में अवैध नशे की खरीद-फरोख्त और इससे बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'चेतना अभियान' के तहत की गई। तारबाहर थाना और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने दुर्गा पंडाल के पास कंस्ट्रक्शन

कॉलोनी में दबिश दी।

ग्राहक की तलाश कर रहा था

मौके पर पुलिस ने इरफान अली उर्फ बाबू (34) को प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप रखकर ग्राहकों की तलाश करते हुए पकड़ा। इरफान अली तालापारा स्थित रमजानी बाबा मजार के पास का निवासी है। पूछताछ में आरोपी इरफान अली ने बताया कि वह ये नशीली सिरप झारसुगुड़ा से लाकर बेचने के लिए लाया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21सी, 22 और 29 के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

CHHATTISGARH BIOFUEL DEVELOPMENT AUTHORITY (CBDA)
(Dept. of Energy, Govt. of Chhattisgarh)
Project Office, Biofuel Complex, Village-Godhi
Tehsil- Dhamda, Dist. Durg- 490042
Tel.:- 7880161543-44
Tender No.CBDA/2026/PT/BFC/001 Dt. 27.08.2026
NOTICE INVITING TENDER
CBDA invites sealed tenders for **'Provision of mechanized soil excavation, digging, levelling and allied works with mechanical diggers and excavators and supply of other construction materials as and when required at CBDA Biofuel Complex Project sites at Vill: Godhi & Vill: Thengabhat. Dist: Durg (C.G.)'**
For details, refer website: ***www.cbda.in***
Pre-bid Meeting: 10.09.2026 at 12:00 hrs.
Last date of submission of Bid & Time: 17.09.2026 till 14:00 hrs.
Date & Time for Technical Bid opening: 17.09.2026 till 15:00 hrs.
CBDA reserves all rights to accept/reject any or all tenders in full/part without assigning any reasons.
Asst. Project Officer (PC-I)
S-4889/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा
निविदा आमंत्रण सूचना
क्रमांक-5339/NIT-08/ 2026-2027/ व.ले.लि. दिनांक 24/08/2026
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 01/09/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि:- 09/09/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 10/09/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि(रू.में.)
1	2	3
8 T0047	नवागढ़ उपसंभाग अन्तर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. पेच रिपेयर का कार्य	8.47 6353.00

निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।
जी-262702977/5
कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

युवक की बेरहमी से पिटाई , पांच नाबालिग हिरासत में

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पुलिस ने पांच नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शहर में पालकी यात्रा निकाली जा रही थी। बजरंग चौक के पास किसी मामूली विवाद को लेकर कुछ युवकों के बीच झगड़ा हो गया। विवाद बढ़ने पर भीड़ ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और वायरल वीडियो के आधार पर पांच नाबालिगों को हिरासत में लिया है।

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Silv Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर

पेंशनरों को मिलेगा 257 प्रतिशत महंगाई राहत

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों के पेंशनरों के महंगाई राहत में वृद्धि की है। सातवें वेतनमान के पेंशनरों को अब 58 प्रतिशत और छटवें वेतनमान के पेंशनरों को 257 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत दिया जाएगा। पेंशनरों और परिवार पेंशनधारियों को 1 जनवरी 2026 से इसका लाभ मिलेगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक को महंगाई राहत में बढ़ोतरी का पत्र जारी किया है।

ड्यूटी से नदारद कर्मचारी को विभाग ने जारी किया नोटिस

मुंगेली। पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग द्वारा पशु औषधालय कंतेली में पदस्थ परिचारक सतीश कुमार यादव को लंबे समय से कार्यस्थल से अनुपस्थित रहने पर कार्य पर उपस्थित होने संबंधी सूचना जारी की गई है। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर.एम. त्रिपाठी ने बताया कि श्री यादव 30 जुलाई 2024 से बिना किसी सूचना के लगातार कर्तव्य से अनुपस्थित हैं। कई बार पत्राचार किए जाने के बावजूद उनके द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया गया।

हेमाबंद में पशु क्रूरता मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

रायपुर। बेमेतरा जिले की दाढ़ी तहसील अंतर्गत ग्राम हेमाबंद में आवारा एवं घुमंतू पशुओं को अनाधिकृत रूप से बंधक बनाकर रखने के मामले में पुलिस ने आरोपी दिलीप राय के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर उसे और उसके पुत्र संजय राय को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, 299, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(क), 11(1)(ज) के तहत कार्रवाई की गई।

शहादत के सम्मान से जुड़ी स्नेह की डोर

शहीद की पत्नी से राखी बंधवाकर भावुक हुए विष्णु, कहा - आज बहन की कमी पूरी हो गई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रक्षाबंधन से पहले राजधानी रायपुर में राखी की एक ऐसी डोर बंधी, जिसमें भाई-बहन का निश्छल स्नेह भी था, शहादत का सम्मान भी और वर्षों तक नक्सल हिंसा का दंश झेलने वाले परिवारों के प्रति आत्मीयता भी। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम में नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त उप निरीक्षक श्री युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। इस आत्मीय क्षण में मुख्यमंत्री भावुक हो उठे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भावुक स्वर में कहा, 'मेरी कोई सगी बहन नहीं है। हम लोग भाई ही भाई हैं। आज माधुरी जी ने मेरी कलाई पर राखी बांधी है। मुझे सगी बहन से भी बढ़कर बहन मिली है।'

मुख्यमंत्री के इन शब्दों के साथ पूरा वातावरण भावुक हो उठा। एक ओर वह बहन थी, जिसने मातृभूमि और प्रदेश की सुरक्षा के लिए अपने जीवनसाथी को खोया था, दूसरी ओर प्रदेश का मुखिया था, जिसने उसकी राखी को केवल रक्षा सूत्र नहीं, बल्कि जीवनभर निभाए जाने वाले भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते के रूप में स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने श्रीमती माधुरी वर्मा को भरोसा दिलाया कि शहीद श्री युगल किशोर वर्मा का परिवार उनका अपना परिवार है। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवार कभी अकेले नहीं हैं। उनके सुख-दु:ख, सम्मान और भविष्य की चिंता करना सरकार का दायित्व ही नहीं, बल्कि हम सभी का आत्मीय कर्तव्य है। आज बहन माधुरी ने राखी बांधी है तो एक भाई के रूप में उनके परिवार के प्रति जिम्मेदारी और भी गहरी हो गई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद उप निरीक्षक युगल किशोर वर्मा के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अपने वीर जवानों और उनके परिवारों का सदैव ऋणी रहेगा। हमारे जवानों ने अपना आज इसलिए न्योछावर किया, ताकि छत्तीसगढ़ की आने वाली पीढ़ियों का कल सुरक्षित हो सके।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने 171 मेधावियों का किया सम्मान, प्रतिभा को मिला बड़ा मंच और सपनों को नई उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 171 मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चेक एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। श्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ समय बिताया, उनकी पढ़ाई और रुचियों के बारे में जाना तथा उनके सवालों और जिज्ञासाओं पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरक पुस्तकें भी भेंट कीं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के साथ सेल्फी लेकर खुशियां भी साझा कीं। कार्यक्रम की एंकर अनुराधा दुबे ने भी अपनी प्रेरक और उत्साहवर्धक बातों से विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा की धरती प्रतिभाओं से भरी हुई है। आज सम्मानित हो रहे ये मेधावी विद्यार्थी अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर आने वाले समय में नई ऊंचाइयां हासिल करेंगे। कवर्धा की यह प्रतिभा आगे चलकर न केवल जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेगी, बल्कि एक दिन देश का गौरव बनेगी। इस अवसर पर कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, रामकिंकर वर्मा, निर्मल द्विवेदी, हरीश लुनिया, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, डीएफओ निखिल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओं अभिषेक अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, स्कूली विद्यार्थी, पालकगण, शिक्षक, शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जो करना है वह पूरे मन से कर डालो। जो दिल में है, उसे पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। सकारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने में संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने लक्ष्य और जुनून के लिए पूरा प्राण लगा देना चाहिए। संसाधनों की कमी को कभी अपनी सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने युवाओं को सावधान करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसी कई ताकतें हैं, जो युवाओं के मन में गुस्सा भरने का प्रयास करती हैं। इससे सचेत रहने की जरूरत है।

वित्तमंत्री चौधरी ने अम्मा की रसोई में लगाई पालथी

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अम्मा की रसोई में जमीन पर बैठकर अपनों के साथ बिल्कुल घर जैसा देसी खाना खाया। न कोई औपचारिकता, न कोई बनावटीपन... बस अपनों के बीच हँसी-ठिठोली, आत्मीय बातचीत और सादगी से भरा माहौल। देसी व्यंजनों का स्वाद लेते हुए श्री चौधरी ने कहा कि ऐसी छोटी-छोटी जगहों पर जमीन पर बैठकर, हाथ से चटखारे लेते हुए खाना और अपनों के साथ खुशियां बाँटना ही हमारी संस्कृति की असली पहचान है। यह दृश्य सिर्फ भोजन का आनंद लेने का नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश भी देता है। माटी की खुशबू, देशी स्वाद, अपनों का साथ और दिल से निकली हँसी—यही तो छत्तीसगढ़ की असली पहचान है। इस दौरान छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल एवं अधोसंरचना विकास के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव भी उपस्थित रहे।

रायपुर, दुर्ग, कोरबा, बिलासपुर में चलेंगी ई बसें

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया के साथ नगरीय प्रशासन एवं सूडा के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना की संचालन व्यवस्था, विस्तार, रूट प्लानिंग, बस स्टॉप, डिपो, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। योजना के तहत छत्तीसगढ़ के चार नगर निगमों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इन चारों शहरों में स्वच्छ एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन के साथ नागरिकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। श्री बोरा ने इसकी जानकारी नागरिकों के लिए स्पष्ट और सहज बनाने की आवश्यकता बताई।

रक्षा बंधन से पहले विष्णु भैया ने बहनों को दिया स्नेह का उपहार

बहनों की मुस्कान ही सबसे बड़ा संतोष : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भाई-बहन के अटूट स्नेह के पावन पर्व रक्षाबंधन से पहले आज बालोद जिले के डौंडीलोहारा में एक आत्मीय और भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। प्रदेश की लाखों बहनों के 'विष्णु भैया' ने महतारी वंदन सम्मान समारोह में प्रदेश की 67 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि अंतरित की।

मुख्यमंत्री ने बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि हमारी माताओं-बहनों के चेहरे पर मुस्कान, उनका आत्मविश्वास और उनका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

डौंडीलोहारा के लाल रघुवीर सिंह स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय का माताओं-बहनों ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भी बहनों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद किया, उनका हालचाल जाना और महतारी वंदन योजना से उनके जीवन में आए बदलावों के अनुभव सुने। इस अवसर पर बालोद जिले के 2 लाख 45 हजार 28 हितग्राहियों सहित प्रदेश के 67 लाख 28 हजार 918 हितग्राहियों के खातों में कुल ?631 करोड़ 38 लाख 37 हजार 700 की राशि अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सावन के पवित्र महीने और रक्षाबंधन के ठीक पहले मातृशक्ति के सम्मान के इस कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सितंबर माह की किस्त भी 25 अगस्त को ही बहनों के खातों में पहुंचाने का निर्णय लिया, ताकि त्योहार की खुशियां और बढ़ें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि इसने महिलाओं के भीतर आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का नया भाव पैदा किया है। अब हमारी माताओं-बहनों को अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वे इस राशि का उपयोग अपने स्वास्थ्य, पोषण, बच्चों की शिक्षा, बचत और छोटे व्यवसाय जैसी जरूरतों में कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों के खातों में लगभग 20 हजार करोड़ की राशि अंतरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की जो गारंटी दी थी, राज्य सरकार उसे पूरी प्रतिबद्धता से धरातल पर उतार रही है।

मुख्यमंत्री ने उनके अनुभवों को ध्यान से सुना और कहा कि जब कोई बहन महतारी वंदन की राशि को बचाकर अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करती है, बच्चों की पढ़ाई में लगाती है अथवा स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ती है, तो इस योजना का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दशकों तक बस्तर नक्सलवाद के कारण विकास की मुख्यधारा से पीछे रहा। जिन दुर्गम क्षेत्रों में कभी विकास कार्य पहुंचाना कठिन था, वहां आज सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं। विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से उनके गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में शांति की स्थापना के साथ ही विकास, पर्यटन, उद्योग और रोजगार की नई संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। आने वाले समय में बस्तर छत्तीसगढ़ के विकास की नई पहचान बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है।

लखपति दीदी से ड्रोन दीदी तक - महिलाओं ने रचे नए कीर्तिमान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक लक्ष्य से अधिक 13 लाख 85 हजार महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज विभिन्न आजीविका गतिविधियों और उद्यमों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बना रही हैं। उन्होंने ड्रोन दीदी पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी बहनें आधुनिक तकनीक से भी जुड़ रही हैं। ड्रोन के माध्यम से खेतों में खाद एवं अन्य कृषि आदानों का छिड़काव कर वे किसानों को सेवाएं देने के साथ अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण की यही यात्रा विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव बनेगी।

डौंडीलोहारा और बालोद को मिली विकास की बड़ी सौगातें

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लगभग 102 करोड़ की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। नगर पंचायत डौंडीलोहारा में सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही खरखरा जलाशय में लिफ्ट इरिगेशन की स्वीकृति, खरखरा जलाशय की पूरक नहर के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण तथा धनगांव जलाशय के शीर्ष कार्य वियर के साथ नहर रिमॉडलिंग-लाइनिंग कार्य की घोषणा की। मस्जिद चौक से शास्त्री नगर मार्ग पर पुलिया निर्माण तथा संबलपुर से भीमकन्हार-मुड़िया मार्ग निर्माण की भी घोषणा की। उमरादाह-निपानी मार्ग, अर्जुंदा-ओड़ारसकरी मार्ग तथा बालोद-पिकरीपार मार्ग सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया।

मोदी की गारंटी से हर वर्ग के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल में मोदी की गारंटी के प्रमुख वादों को तेजी से पूरा करते हुए जनकल्याण और विकास को नई गति दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना पूरा किया जा रहा है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। 5500 प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदा जा रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के माध्यम से भूमिहीन परिवारों को आर्थिक संबल दिया जा रहा है। रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक हजारों श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का पुण्य अवसर मिला है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950